वर्ष 6, अंक 215 भोपाल, गुरुवार 15 जनवरी, 2026 माघ शुक्ल पक्ष, द्वादशी, 2082 मूल्य 2 रुपए

भोजपाल पतंग महोत्सव जंबूरी मैदान परः मकर संक्रांति पर पतंगों से रंगा आसमान

भोजपाल पतंग महोत्सव जंबूरी मैदान पर 10 हजार से ज्यादा लोगों ने उड़ाई पतंग, तिल- गुड़ के लड्डू और खिचड़ी ने बढ़ाई मिठास

दो क्विंटल तिल- गुड़ का लड्डू, 10 हजार के लिए खिचड़ी, 2,000 पतंगों का निःशुल्क वितरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की समृद्ध परंपराओं को जीवंत करते हुए भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा पहली बार मकर संक्रांति पर 'भोजपाल पतंग महोत्सव' का आयोजन किया गया। राजधानी के जम्बूरी मैदान (भेल) में बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में 10 हजार से ज्यादा लोग परिवार और बच्चों के साथ पतंग उड़ाने पहुंचे। महोत्सव में आने वाले लोगों को समिति की ओर से 2,000 पतंगें और माझा निःशुल्क वितरित किया गया। महाप्रसादी के तौर पर लोगों को तिल-गुड़ के लड्डू और खिचड़ी बांटी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा, विशिष्ट अतिथि भोपाल भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, राजेंद्र सिंह यादव, पार्षद बी शक्ति राव, संजय शिवनानी, रामनारायण गिरी, राजेश्वर सिंह, आनंद पाठक सहित अन्य लोगों ने पूजा- अर्चना और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर वहां मौजूद लोगों को पतंग और माझे का वितरण किया।

दो क्विंटल लड्डू, 10 हजार के लिए खिचड़ी :त्योहार की मिठास और खुशी बांटने के लिए समिति ने विशेष इंतजाम किए थे। पतंग महोत्व में शामिल होने वाले लोगों को महाप्रसादी वितरित की गई। समिति द्वारा दो क्विंटल तिल गुड़ का लड्डू और 10 हजार लोगों के लिए खिचड़ी बनवाकर वितरित की गई। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ पतंगोत्सव शाम 5 बजे तक चलता रहा। इस दौरान परिवार सहित आए लोगों के साथ बच्चे, महिलाओं और बुजुर्गों ने भी पतंग उड़ाई।

चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध : सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समिति ने चायनीज माझे पर पूरी तरह प्रतिबंधित लगा रखा था। अध्यक्ष सुनील यादव ने पतंगबाजों को आगाह करते हुए कहा कि पतंग महोत्सव में चाइनीज डोर (चाइनीज मांझा) का उपयोग नहीं करें। इसकी जांच के लिए पुलिस टीम और समिति के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में केवल सूती और सुरक्षित धागे के उपयोग की अनुमति दी गई थी, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

आयोजन समिति की टीम : इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए विनय सिंह, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नागर, मो. जाहिद खान, सुनील शाह, मधु भवनानी, केश कुमार शाह, चंदन वर्मा, दीपक शर्मा, देवेंद्र चौकसे, सुनील वैष्णव सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

श्री नारायण मिशन, भोपाल द्वारा मकरवाला (मकर विलक्कू) का भव्य आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री नारायण मिशन, भोपाल द्वारा मकरवाला (मकर विलक्कू) का भव्य आयोजन श्री नारायण मिशन, सुभाष नगर, भोपाल में मनाया गया। मकरवाला केरल के सबरीमला के भगवान अयप्पा से जुड़ा पावन पर्व है और मकर संक्रांति के दिन पोंबई मेट्टू पहाड़ी पर दिव्य ज्योति (मकर विलक्कू) प्रकट होने की मान्यता है। यह पर्व भगवान अयप्पा की कृपा, भक्ति, तपस्या और श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर मंदिर और मिशन परिसर को पूरी तरह से रोशनी और रंगोली से सजाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर की सजावट में सहयोग करते हुए अपने समर्पित भाव से काम कर रहे थे। कार्यक्रम में भगवान अयप्पा के भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया और अंत में सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे और उन्होंने श्रद्धा व भक्ति के साथ पर्व की गरिमा बढ़ाई।

भोपाल स्थित मानव संग्रहालय में धूमधाम से मना पतंगोत्सव

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सार्वजनिक गतिविधियों की श्रृंखला देखने को मिलेगी। शहर के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र मानव संग्रहालय और जनजातीय संग्रहालय में विशेष आयोजनों के साथ उत्सव का माहौल रहेगा। वहीं, शिक्षा और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी अहम जानकारियां भी आम लोगों के लिए जारी की गई हैं। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर मानव संग्रहालय के मंडपम परिसर में दोपहर 12 बजे से "पतंग उत्सवः पतंग के रंग मानव संग्रहालय के संग" का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोकसंस्कृति, ऋतु परिवर्तन और सामूहिक उत्सव की परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करना है। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम केवल पतंगबाजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पारंपरिक लोकधुनों, पारिवारिक सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद का मंच बनेगा। शहरवासी अपने परिवार के साथ खुले वातावरण में पर्व का आनंद ले सकेंगे। इसी दिन जनजातीय संग्रहालय में शलाका चित्रकला प्रदर्शनी की शुरुआत होगी। दोपहर 12 बजे से आम दर्शकों के लिए खुलने वाली इस प्रदर्शनी में पारंपरिक और समकालीन कला के नमूने प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि प्रदर्शनी का उद्देश्य जनजातीय कला परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ना और कलाकारों को मंच देना है। कला प्रेमियों और विद्यार्थियों के लिए यह प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) ने बी. फार्मेसी डिग्री कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 का अकादमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसार, प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक संचालित की जाएंगी। इससे पहले डी. फार्मेसी का कैलेंडर भी जारी किया जा चुका है। इस निर्णय से फार्मेसी के छात्रों और संस्थानों को शैक्षणिक योजना बनाने में सुविधा मिलेगी। नागरिक सुविधाओं से जुड़ी अहम जानकारी शहर में आधार अपडेट से जुड़ी सेवाएं विभिन्न केंद्रों पर उपलब्ध हैं, जहां बायोमैट्रिक अपडेट के लिए 100 रुपये और डेमोग्राफिक अपडेट के लिए 50 रुपये शुल्क निर्धारित है। इसके अलावा, एम्स, जेपी अस्पताल और खुशीलाल आयुर्विज्ञान संस्थान में स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से जारी हैं।

दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, भोपाल में बुधवार को मकर संक्रांति पर्व श्रद्धा एवं सेवा-भाव के साथ मनाया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

रायसेन रोड स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, भोपाल में बुधवार को मकर संक्रांति का पावन पर्व अत्यंत भव्यता, श्रद्धा एवं सेवा-भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ जनसेवा से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे पंडित जी द्वारा विधि-विधान से रुद्राभिषेक के साथ हुआ। यह अभिषेक यजमान श्री जीवन नामदेव एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अवंतिका नामदेव द्वारा संपन्न कराया गया।

इसके पश्चात प्रातः 11:00 बजे दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध गायक श्री मुकेश राय एवं उनके सहयोगियों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया गया, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर हो उठा।

दोपहर 1:30 बजे श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें भोपाल शहर के प्रधान संपादकों एवं लगभग 25 वरिष्ठ पत्रकारों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। सम्मानित पत्रकारों में प्रमुख रूप से मधुवर मोहन द्विवेदी (प्रधान संपादक, कारखाने का सफर एवं आनंद सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार), वंदना स्रोत्री, राजकुमार सोनी, आशीष पाराशर, नीलिमा शर्मा, के. सी. दुबे सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकारगण शामिल रहे।

इसके उपरांत दोपहर 1:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक आयोजित इको-फ्रेंडली विशाल भंडारे में लगभग 3 से 4 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जनसेवा के अंतर्गत दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक निःशुल्क पैथोलॉजी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 50 से 60 मरीजों की शुगर, हीमोग्लोबिन, थायराइड, विटामिन-डी, कोलेस्ट्रॉल, अर्थराइटिस आदि की जांच थायरोकेयर एवं माइक्रोकेयर द्वारा निःशुल्क की गई।

साथ ही दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में डॉ. शिखा नामदेव द्वारा लगभग 30 से 40 मरीजों को सर्दी-खांसी, बुखार, हाथ-पैर दर्द, बीपी, साइटिका आदि रोगों की निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में दोपहर 3:00 बजे नर्मदीय ब्राह्मण समाज, भोपाल द्वारा श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ का आयोजन किया गया।

इस सफल आयोजन में श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव, सचिव धनंजय बोरकर, जीवन नामदेव, अनीता, अर्चना नामदेव सहित मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य श्री आर.डी. धुर्वे, श्री अवधेश सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, हर्ष, सर्वेश, श्रद्धा, अवंतिका, ज्ञान पाराशर, महाकाल श्रीवास्तव, गणेश गुर्जर, पंडित राजेंद्र पलिया एवं दादाजी धाम परिवार के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

शीतलहर का अलर्ट नहीं, न ही कहीं कोल्ड डे... आज भी साफ रहेगा मौसम

कोहरे का असर कम, ग्वालियर-दतिया में सर्दी रहेगी, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में दिन में धूप खिलेगी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मकर संक्रांति बुधवार को मनाई गई। कई पंचांगों के अनुसार स्नान दान आज सुबह होगा। इस दिन प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में मौसम साफ रहेगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत ज्यादातर शहरों में धूप खिलेगी। हालांकि, रातें सर्द ही रहेंगी। ग्वालियर-चंबल के साथ सागर और रीवा संभाग में तेज ठंड का असर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में मध्यम कोहरा रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सीहोर, शाजापुर, देवास समेत 15 से ज्यादा जिलों में विजिबिलिटी 2 से 4 किमी तक रही।

इस लिहाज से मकर संक्रांति पर्व पर पतंगबाजी के शौकीन लोगों के लिए मौसम बेहतर रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, बुधवार को मौसम ड्राई रहेगा। अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को प्रदेश में कहीं भी कोल्ड वेव यानी, शीतलहर का अलर्ट नहीं है। न ही कहीं कोल्ड डे रहेगा। ऐसे में लोग मकर संक्रांति का पर्व अच्छे तरीके से मना सकेंगे। इंदौर, उज्जैन संभाग यानी, मालवा-निमाड़ क्षेत्र में मकर संक्रांति पर जमकर पतंगबाजी होती है। मौसम साफ होने से पतंगबाजी में किसी प्रकार की दिक्कतें नहीं आएंगी। प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बर्फीली हवाएं सीधे आ रही हैं। इस कारण यहां के शहरों में सबसे ज्यादा ठंड है। सोमवार-मंगलवार की रात में ग्वालियर, छतरपुर का नौगांव और कटनी का करौंदी सबसे ठंडे रहे। ग्वालियर में 6.5 डिग्री, करौंदी में 4.7 डिग्री, सतना के चित्रकूट में 5.3 डिग्री और नौगांव में पारा 5.5 डिग्री दर्ज किया गया। यहां पर कोहरे का असर भी देखने को मिला। इस वजह से ट्रेनों की टाइमिंग पर असर पड़ा। कई ट्रेनें घंटों लेट रही। इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 5.8 डिग्री दर्ज किया गया। खजुराहो में 6 डिग्री, दतिया में 6.2 डिग्री, मंडला-राजगढ़ में 6.4 डिग्री और रीवा में पारा 6.5 डिग्री रहा। वहीं, भोपाल में 10.2 डिग्री, इंदौर में 9.5 डिग्री, उज्जैन में 11 डिग्री और जबलपुर में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया।

दिन में भी उत्तरी हिस्सा ठंडा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को ग्वालियर में अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री, दतिया में 23.4 डिग्री, श्योपुर में 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में 21.8 डिग्री, खजुराहो में 23.4 डिग्री, नौगांव में 23.5 डिग्री, रीवा में 22.4 डिग्री, सीधी में 23 डिग्री, टीकमगढ़-उमरिया में 24 डिग्री, मलाजखंड में 23 डिग्री दर्ज किया गया।

संतोष पुष्पद बने फूल माली समाज के जिला अध्यक्ष

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

फूल माली समाज जिला राजगढ़ की एक विशाल बैठक राजगढ़ के करोड़ी में संपन्न हुई जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश पुष्पद का 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर इस्तीफा दिया गया था जिस पर सर्व सहमति से चयन के लिए पूर्व अध्यक्ष जगदीश पुष्पद रामबाबू पुष्पद प्रेम मालाकार संतोष के नाम अध्यक्ष के उम्मीदवार के लिए सामने आए जिसमें तीनों लोगों ने संतोष पुष्पद के नाम की सहमति प्रदान की जिस पर सर्व सहमति से संतोष पुस्तक को जिला अध्यक्ष के लिए चयन किया गया जिसमें सारंगपुर तारागंज तलेनी इकलेरा खिलचीपुर जीरापुर माचलपुर ब्यावरा लखनवास करेड़ी राजगढ़ हरण खेड़ी गुना जिले के गुना चाचौड़ा बिना गंज खाता खेड़ी सहित अनेक स्थान के समाज बंधु बैठक में शामिल हुआ जिसमे समाज सुधार के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर फूल माली जिला पंचायत का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से संतोष पुष्पद सारंगपुर को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर फूल माली समाज की पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश पुष्पद ब्यावरा फूल माली समाज अध्यक्ष भोलाराम पुष्पद सारंगपुर फूल माली समाज अध्यक्ष शिवनारायण काका खिलचीपुर समाज कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम नारायण मालाकार करेडी फुल माली समाज अध्यक्ष राधेश्याम पुष्पद शिव पुष्पद रामपुरिया सुरेश सुमन महेशपुरा धन सिंह पुष्पक प्रेम नारायण पुष्पक रामचरण पुष्पद हीरालाल पुष्पद संतोष पुष्पद ओम पुष्पद राधिका अनुज पुष्कर कैलाश वर्मा मांगीलाल पुष्पद भाजपा मंडल पिछड़ा वर्ग का मंडल अध्यक्ष विनोद पुस्तक अनोखी लाल पुस्तक विनोद पुस्तक रामेश्वर पुष्पद फूल लक्ष्मी नारायण पुष्कर लखनवास रामचंद्र पुष्पक तारागंज मुकेश आचार्य सुनील बागवान सहित आदि लोगों ने बधाई दी।

गायत्री परिवार 23 को मनायेगा वसंत पर्व

अखंड दीप व वंदनीय माताजी की जन्म शताब्दी वर्ष का शुभारंभ वसंत पंचमी से होगा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में मनाया जाएगा। गायत्री परिवार जिला समन्वय समिति के डॉ कैलाश वर्मा, जिला सह समन्वयक रविशंकर पारखे ने बताया कि जिले के सभी प्रज्ञा संस्थानों में आचार्य श्री का आध्यात्मिक जन्म दिवस परम वंदनीय माता जी,अखंड दीप,परम पूजनीय गुरुदेव द्वारा साधना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एवं दादा गुरु के प्राकट्य दिवस मनाया जाएगा।ऐसा पावन मुहूर्त का आगमन 23 जनवरी बसंत पंचमी को आ रहा है।इस पावन अवसर पर प्रत्येक शक्तिपीठ,प्रज्ञा पीठ,चेतना केंद्र,प्रज्ञा मंडल में न्यून तम एक घंटे का सामूहिक जप,गुरु पूजन,सरस्वती पूजन,एवं यज्ञ अवश्य सम्पन्न किया जावे।एक दिन पूर्व 12 घंटे का जप सम्पन्न होगा।इसमें अधिक से अधिक परिजनों को शामिल किए जाने की अपील की गई है। 23 जनवरी से 2 मार्च तक सामूहिक 40दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ किया जाना है।सभी तहसील समन्वयक,साधना प्रभारी,नव चेतना केंद्र प्रभारी एवं प्रज्ञा,महिला मंडल प्रभारी सूची बनाकर जिला समन्वय समिति व साधना प्रभारी को भेजने का कार्य करेंगे जिससे इस कार्य को भव्य रूप दिया जा सके।

शुद्ध पेयजल आपूर्ति को लेकर सारंगपुर विधानसभा में समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल की अध्यक्षता में सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शुद्ध, सुरक्षित एवं सतत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा। बैठक में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने जल निगम एवं संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत पेयजल परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय-सीमा में जून 2026 तक पूर्ण किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी ओवरहेड टैंक का निर्माण 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि समय पर जलापूर्ति प्रारंभ की जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र में की जाने वाली जलापूर्ति पूर्णतः शुद्ध एवं स्वच्छ हो, इसके लिए आवश्यक फिल्ट्रेशन एवं क्लोरीनेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जलापूर्ति प्रणाली में कहीं भी लीकेज पाए जाने पर 24 घंटे के भीतर उसका निराकरण किया जाए। पाइपलाइन में क्रॉस कनेक्शन एवं दूषित जल के प्रवेश की संभावना को पूरी तरह रोका जाए। सभी ओवरहेड एवं अंडरग्राउंड टंकियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल द्वारा नगर पालिका सारंगपुर एवं नगर परिषद पचोर को शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए निम्न व्यावहारिक एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों (कुआं, ट्यूबवेल, टंकी आदि) की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा उनके आसपास गंदगी न होने दी जाए। प्रत्येक 3 से 6 माह में जल की भौतिक, रासायनिक एवं जीवाणु जांच कराई जाए। जलापूर्ति से पूर्व फिल्ट्रेशन एवं क्लोरीनेशन अनिवार्य रूप से किया जाए तथा सप्लाई जल में 0.5 mg/L फ्री क्लोरीन की मात्रा बनी रहे। पुरानी एवं जर्जर पाइपलाइन को चरणबद्ध तरीके से बदला जाए। नागरिकों को उबालकर पानी पीने, सुरक्षित भंडारण एवं स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। फ्लोराइड/आयरन प्रभावित क्षेत्रों में विशेष शुद्धिकरण संयंत्र स्थापित किए जाएं।

बैठक में अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी सारंगपुर श्री रोहित बाम्होरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री हेमेंद्र गोविल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ज्योति सुनहरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पचोर श्री दीपक रानवे, नगर पालिका अध्यक्ष श्री पंकज पालिवाल, नगर परिषद पचोर अध्यक्ष श्री विकास करौड़िया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री देव नगर, सहित जलापूर्ति से संबंधित इंजीनियरिंग व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल द्वारा बैठक के अंत में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति जैसे संवेदनशील विषय में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और नियमित समीक्षा के माध्यम से कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जाएगी।

शिलानाथ धुनें पर ध्वजारोहण के साथ संत शिलानाथ बाबा की मूर्ति का भव्य अनावरण

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

पवित्र मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर नगर की आस्था के प्रमुख केंद्र शिलानाथ धुनें पर संत शिलानाथ बाबा की मूर्ति की भव्य प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरण समारोह श्रद्धा एवं उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल उपस्थित रहे। राज्य मंत्री डॉ. टेटवाल ने संत शिलानाथ बाबा की मूर्ति का अनावरण करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि संतों की परंपरा हमें सत्य, सेवा और सदाचार का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष ध्रुव भल्ला, एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह, नपा सीएमओ ज्योति सुनेरे, नीलेश वर्मा, अशोक साहू, ओम पुष्पद सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।समारोह के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों ने श्रद्धापूर्वक प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर दिनेश सिसौदिया द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

प्रिंस ग्रुप के तत्वाधान में आज होगा विशाल भंडारे का आयोजन

14 वर्ष से लगातार हो रहा है तलहटी मंदिर पर भंडारे का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

श्री श्री 1008 बाबा मठारदेव तलहटी मेला स्थल पर प्रिंस ग्रुप पाथाखेड़ा के तत्वधान में वर्ष 2012 से लगातार विशाल भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंस ग्रुप के संस्थापक ओम प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 2012 से श्री श्री 1008 मठारदेव के तलहटी मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया जाता है और इस भंडारे में लगभग 15 से 20 हजार के लगभग श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने का कार्य करते हैं, उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के वह सभी श्रद्धालु जो बाबा मठारदेव महाराज पर आस्था एवं विश्वास करते हैं वह सभी लोगों को अधिक से अधिक संख्या में विशाल भंडारे में आमंत्रित किया गया। प्रिंस ग्रुप के संचालक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि सुबह 10:30 बजे पूजा आराधना करने के बाद विशाल भंडारे का शुभारंभ किया जाएगा जो देर शाम तक आयोजित होगा।

अब ऑपरेशन में कम जोखिम, एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने बनाई देसी सर्जिकल डिवाइस, डिजाइन को पेटेंट

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अब ऑपरेशन थिएटर में कम खून बहेगा, सर्जरी जल्दी पूरी होगी और मरीज को कम जोखिम झेलना पड़ेगा। दरअसल, एम्स भोपाल के डॉक्टरों के एक स्वदेशी नवाचार किया है। इसके तहत इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रोकॉटरी एंड सक्शन डिवाइस फॉर सर्जरी नाम का उपकरण बनाया है। इस डिवाइस को हाल ही में भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से डिजाइन पेटेंट मिला है।

दरअसल, अब तक सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को बार-बार उपकरण बदलने की जरूरत पड़ती थी। इससे रक्तस्राव पर तुरंत नियंत्रण करने के लिए बार-बार सक्शन का उपयोग करना पड़ता था। इससे ऑपरेशन की अवधि बढ़ती थी। वहीं, खून भी ज्यादा बहता था और मरीज को ऑपरेशन की पर्याप्त जटिलताओं और जोखिम से गुजरना पड़ता था।

इस नई डिवाइस से सबसे बड़ा फायदा बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर मरीजों को मिलेगा। यह डिजाइन खासतौर पर मिनिमल इनवेसिव सर्जरी में यानी सर्जन की दक्षता बढ़ाने और ऑपरेशन के नतीजों को बेहतर बनाने में मदद करेगा। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में रेजिडेंट्स और युवा सर्जनों के प्रशिक्षण के लिए भी यह उपयोगी साबित हो सकता है।

आत्मनिर्भर भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप इस डिजाइन को एम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विक्रम वट्टी, यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केतन मेहरा, क्षितिज युगबोध और डॉ. एकता जैन ने मिलकर बनाया है। यह उपलब्धि भारत में चिकित्सक-नेतृत्व वाले मेडिकल डिवाइस नवाचार को दर्शाती है।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दादाजी का पचमढ़ी यात्रा वृतांत भगवान शिव से साक्षात्कार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

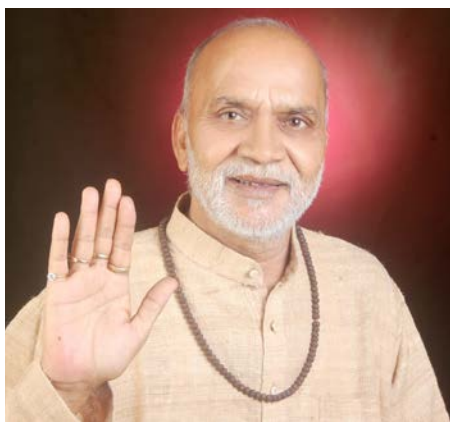

बचपन से ही श्री दादाजी को यात्रा करने का अत्यंत शौक था। उन्हें नए-नए स्थानों को देखना, प्रकृति के सान्निध्य में समय बिताना और मित्रों के साथ घूमना अत्यधिक प्रिय था। अवसर मिलते ही वे अपने मित्रों के साथ आस-पास के दर्शनीय स्थलों की यात्रा पर निकल पड़ते थे। ऐसी ही एक अविस्मरणीय यात्रा थी। पचमढ़ी यात्रा। जब दादाजी ने अपने माता-पिता से पचमढ़ी जाने की इच्छा प्रकट की, तो उन्होंने उनकी कम आयु को देखते हुए जाने से मना कर दिया। उस समय दादाजी की आयु मात्र 10–11 वर्ष थी। किंतु दादाजी के मन में पचमढ़ी जाने की प्रबल लालसा थी, क्योंकि वे बाल्यकाल से ही भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। दादाजी ने अपने परम मित्र शंकर से इस विषय में चर्चा की। शंकर भी तुरंत यात्रा के लिए तैयार हो गया। दोनों ने घर में किसी को बताए बिना साईंखेड़ा से पचमढ़ी जाने वाली बस पकड़ ली। पिपरिया में विश्राम रास्ते में पिपरिया पहुँचे, जहाँ दादाजी के चाचाजी का निवास था। भूख लगने पर दोनों ने चाचाजी के घर रुकने का निर्णय लिया। चाचाजी ने स्नेहपूर्वक पूछा तुम दोनों अकेले कैसे आए हो। दादाजी ने सहज भाव से उत्तर दिया हम पचमढ़ी घूमने जा रहे हैं। रात अधिक हो जाने के कारण चाचाजी ने उन्हें वहीं रुकने को कहा। भोजन के उपरांत दोनों ने विश्राम किया और अगली सुबह पचमढ़ी के लिए प्रस्थान किया। चौड़ागढ़ महादेव की ओर पचमढ़ी पहुँचकर दोनों मित्रों ने आसपास के दर्शनीय स्थलों के दर्शन किए। इसके बाद उनका अगला लक्ष्य था चौड़ागढ़ महादेव। रास्ते में उन्हें एक परिवार मिला, जो चौड़ागढ़ महादेव के दर्शन हेतु जा रहा था। उस परिवार के एक सदस्य ने स्नेहपूर्वक कहा "बच्चो, तुम लोग अकेले कहाँ जा रहे हो? हमारे साथ चलो, कहीं भटक न जाओ। दादाजी ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया

"हम घूमते-घूमते ही दर्शन करने पहुँच जाएँगे। रहस्यमय महात्मा का दर्शन कुछ दूर चलने के बाद, घने और सुनसान जंगल में उन्हें एक विशालकाय महात्मा दिखाई दिए। उनकी कद-काठी लगभग छह फीट से अधिक ऊँची, शरीर अत्यंत हट्टा-कट्टा और दाएँ हाथ में त्रिशूल, जिसमें एक फटा हुआ ध्वज लहरा रहा था। महात्मा ने गम्भीर स्वर में उच्चारण किया "हर-हर महादेव!"

उनकी आकृति देखकर दादाजी कुछ भयभीत हो गए। मन में क्षणभर यह विचार आया कि कहीं यह साधु उन्हें हानि न पहुँचा दें। तभी दादाजी को एक युक्ति सूझी सम्मान सेबड़े-बुजुर्ग पिघल जाते हैं। दादाजी ने तुरंत "हर-हर महादेव" कहते हुए महात्मा के चरण स्पर्श किए। महात्मा ने पूछा "तुम लोग कहाँ जा रहे हो दादाजी ने उत्तर दिया "हम चौड़ागढ़ महादेव के दर्शन के लिए जा रहे हैं।" महात्मा ने पीछे की ओर एक मार्ग की ओर संकेत करते हुए कहा "इस मार्ग से चले जाओ, जल्दी पहुँच जाओगे।"

अद्भुत चमत्कार दोनों मित्र उस मार्ग पर चल पड़े। थोड़ी दूर चलने के बाद वह मार्ग अचानक समाप्त हो गया। दादाजी घबरा गए। उन्हें लगा कि अब वह साधु उनका पीछा करेगा।

घबराहट में इधर-उधर भटकते हुए वे आगे बढ़ते गए और अचानक स्वयं को चौड़ागढ़ महादेव की पहाड़ी पर पहुँचा हुआ पाया। दोनों मित्र अत्यंत विस्मित रह गए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक महादेव के दर्शन किए और लगभग एक-डेढ़ घंटे मंदिर प्रांगण में विश्राम किया। तभी वही परिवार वहाँ पहुँचा, जिसने रास्ते में साथ चलने

को कहा था। वे दादाजी को पहले पहुँचा देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उसी समय दादाजी की दृष्टि मंदिर में स्थापित त्रिशूल पर पड़ी

वह त्रिशूल बिल्कुल वैसा ही था, जैसा उस महात्मा के हाथ में था, वही फटा हुआ ध्वज भी उसमें लगा था। दादाजी ने अपने मित्र से कहा

"शंकर! यह वही त्रिशूल है। निश्चित ही भगवान शिव स्वयं साधु के रूप में प्रकट होकर हमें मार्ग दिखाने आए थे। साक्षात् शिव अनुभूति

वापसी के समय जब दादाजी उसी मार्ग की ओर बढ़े, तो एक व्यक्ति ने उनका हाथ पकड़कर रोका बच्चो, कहाँ खाई में गिरने जा रहे हो

आगे देखा तो वहाँ भयानक खाई थी। तभी दादाजी को पूर्ण अनुभूति हुई भगवान शिव ने स्वयं हमारी रक्षा की, मार्ग दिखाया और दर्शन कराए।

शंकर ने भावुक होकर कहा

"तू तो भगवान शिव के चरण छू सका, पर मैं भय के कारण यह सौभाग्य भी नहीं पा सका।"

दोनों मित्र फिर लंबे सुरक्षित मार्ग से लौटे, जिसमें अधिक समय लगा, पर मन श्रद्धा, विश्वास और कृतज्ञता से भर गया।

समय के साथ नजरिया बदलता है चीजें बदलती हैं तो लेखन भी बदलता है ध्रुव कुमार

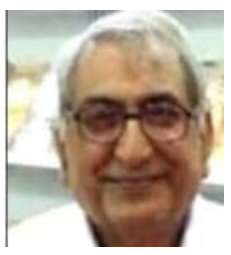
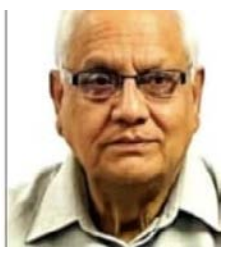

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'समय के नजरिया बदलता है साथ बदलती हैं और साहित्य भी बदलता है, अच्छी समीक्षा पुस्तक को पढ़ने की जिज्ञासा जगाती है हर शिक्षक को सदैव छात्र रहना चाहिए सीखने की प्रक्रिया कभी बंद नहीं होना चाहिए। ' यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार पत्रकार ध्रुव कुमार,पटना (बिहार) के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित पुस्तक पखवाड़े के तेरहवें सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। कार्यक्रम में स्वागत उदबोधन शेफालिका श्रीवास्तव ने दिया, इसके पश्चात् श्रीमती अश्विनी देशपाण्डेय नई दिल्ली के संचालन में विमर्श प्रारम्भ हुआ, कार्यक्रम में सर्वप्रथम 'लघुकथा एक विवेचनात्मक अध्ययन ' लेखक -भगीरथ परिहार, कोटा राजस्थान पर चर्चा में भाग लेते हुए समीक्षक ज्योति करंजगाँवकर ने कहा यह कृति लघुकथा पर नारी विमर्श, पुरुषों की स्थिति, राजनीति, पूंजीवाद, अकेलापन, पर्यावरण सहित विविध विषयों केंद्रित लघुकथाओं पर विमर्श के नये आयाम खोलती है | ' कार्यक्रम में विमर्श हेतु दूसरी पुस्तक थी-' लघुकथा कुछ कहती है ' लेखक मुजफ्फर इक़बाल सिद्दीकी जिस पर विमर्श में भाग लेते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गिरजेश सक्सेना ने कहा की -' यह लघुकथाओं की पुस्तकों की समीक्षा कृति है, अच्छा प्रयास है एक साथ इतनी कृतियों से पाठक का परिचय हो जाता है और समीक्षा के नये आयाम सामने आते हैं। ' इस कृति विमर्श के आयोजन की तीसरी पुस्तक थीं 'रेड वुड जंगल ' कहानी संग्रह लेखक -डॉ. आदर्श प्रकाश,जम्मू इस संग्रह पर अपनी बात रखते हुए समीक्षक घनश्याम मैथिल अमृत ने कहा यह लेखक की स्वयं की अनुभूतियाँ और समाज का खुरदुरा यथार्थ है जिसे कहानीकार ने सहज सरल भाषा में प्रभावी ढंग से पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम के अंत में लेखक मुजफ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने मंचस्थ अतिथियों उपस्थित लेखकों पाठकों सहित केंद्र का आभार प्रकट किया, आयोजन में बड़ी संख्या में देश विदेश के पुस्तक प्रेमी साहित्यकार उपस्थित थे।

बी एच ई एल भोपाल द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला झगरिया विकास खण्ड फंदा (ग्रामीण) जिला भोपाल में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत बी एच ई एल भोपाल द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला झगरिया विकास खण्ड फंदा (ग्रामीण) जिला भोपाल में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया. इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परिक्षण एवं निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम वासियों को शरीर को स्वस्थ रखने, योग एवं प्राणायाम के बारे में बताया गया एवं निः शुक्ल पोषक आहार का वितरण किया गया। यह दो दिवसीय शिविर महाप्रबंधक (मा सं) टी यू सिंह एवं महाप्रबंधक पामिला सचदेव (चिकित्सा सेवाएं) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमें नगर प्रशासन के प्रमुख अपर महाप्रबंधक प्रशांत पाठक, उप महाप्रबंधक विनोद कुमार प्रधान, सम्पदा अधिकारी रमेश चंद्रा, अभियंता अभिनव शर्मा, देवेन्द्र प्रताप सिंह, अर्जुन विश्वकर्मा एवं कस्तूरबा चिकित्सालय के अपर महाप्रबंधक रश्मि परमहंस, अपर महाप्रबंधक आरती सिंह, अपर महाप्रबंधक सुरेश मरकाम, डॉ मानसी शर्मा, एवं माध्यमिक शाला की प्रधानाचार्या मनीषा कश्मीरी उपस्थित थे।

कायस्थ समाज व सकल हिंदू समाज ने दोषियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने की मांग की

पूर्व राज्यसभा सांसद रहे स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग की प्रतिमा से हुई छेड़छाड़ पर विरोध प्रदर्शन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

पूर्व राज्यसभा सांसद , राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा,रहे स्वर्गीय श्री कैलाश नारायण सारंग की प्रतिमा के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई छेड़छाड़ की घटना को लेकर भोपाल में व्यापक आक्रोश देखने को मिला। रोशनपुरा चौराहे पर बुधवार को कायस्थ समाज एवं सकल हिंदू समाज के नागरिकों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि अटल पथ स्थित पार्क में स्थापित स्व. कैलाश सारंग जी की प्रतिमा के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाकर छेड़छाड़ की गई, जो न केवल एक सम्मानित जनप्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य भी है। इस घटना से आमजन में भारी रोष व्याप्त है।प्रदर्शन के दौरान उपस्थित समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की कि इस मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों की शीघ्र पहचान की जाए तथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। कायस्थ समाज एवं सकल हिंदू समाज ने स्पष्ट किया कि महापुरुषों और जननायकों की प्रतिमाओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ समाज की एकता और शांति को भंग करने का प्रयास है, जिसे किसी भी स्थिति

में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन से अपेक्षा की गई है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए दोषियों को शीघ्र दंडित किया जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। प्रदर्शन में राष्ट्रीय महामंत्री (अखिल भारतीय कायस्थ महासभा) अजय श्रीवास्तव नीलू, प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष युवा संगठन संजीव श्रीवास्तव,वेद आशीष , महेन्द्र श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव, उदय सत्य , अग्रवाल समाज से वेंकटेश गोयल, पंजाबी समाज के तेजेनदर सिंह ,पाली, जाट समाज से शैलेंद्र वर्मा, मुस्लिम समाज से मुस्तकीम बेग, सैनी समाज से महेश सैनी, माहेश्वरी समाज से गिरधर,अरूण राठी, मंडी व्यापारी समाज से हरीश, शिव यादव ,यादव समाज, मनोज जैन ,जैन समाज, प्रमोद नेमा नेमा समाज, सुभाष अग्रवाल अग्रवाल समाज, पवन सक्सेना, , चेम्बर्स अजय देवनानी, आलोक, अनिल, बृजेश श्रीवास्तव,व्योम खरे, डॉ. ब्रजेश, ,अभय प्रधान, दिनेश, विनय श्रीवास्तव ,दिनेश सक्सेना, अमोल सक्सेना, अनिल राज, प्रमोद प्रधान,दिवाकर श्रीवास्तव राजकुमार, चित्रांश दीप, विजय,आर वी सक्सेना, मधु भटनागर, संजीव श्रीवास्तव, चंदरेश सक्सेना सौरभ कुलश्रेष्ठ, ब्रजेश श्रीवास्तव, विश्वनाथ भटनागर, मुकेश राठौर, संजय पटेल , सुशील श्रीवास्तव,सहित अन्य सामाजिक संगठन के नागरिक उपस्थित रहे।

करियर कॉलेज के विद्यार्थियों का रीजनल साइंस सेंटर, भोपाल में शैक्षिक भ्रमण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

तीन दिवसीय साइंस फिएस्टा 2025–26 और रीजनल साइंस सेंटर, भोपाल की 31वीं वर्षगांठ के अवसर पर, करियर कॉलेज के NSS यूनिट और भौतिक विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को रीजनल साइंस सेंटर, भोपाल (म.प्र.) का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का संचालन NSS कार्यक्रम अधिकारी ज्योत्सना कानूंगो और डॉ. एस. एस. राजपूत सर ने किया। भ्रमण के दौरान, छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जानकारीपूर्ण व्याख्यान सुना और विभिन्न कार्यरत मॉडल देखे इस अनुभव से उन्हें कई वैज्ञानिक विचार और सिद्धांत सीखने का अवसर मिला और विज्ञान एवं कार्यरत मॉडल में गहरी रुचि विकसित हुई। यह कार्यक्रम भौतिक विज्ञान विभाग के प्रमुख के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भारत को गहरा झटका!

पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर लगातार दो नाकामियों के बाद इस परियोजना को लेकर विश्वास का संकट पैदा हो गया है। पीएसएलवी रॉकेट की 62वीं उड़ान की नाकामी से भारत की उपग्रह संबंधी महत्त्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा है। ये चोट इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले साल मई में पीएसएलवी की 61वीं उड़ान भी फेल हो गई थी। सोमवार को पीएसएलवी-सी62 एक साथ 16 उपग्रहों को लेकर उड़ा, लेकिन उड़ान के तीसरे चरण में उससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का संपर्क टूट गया। वे उपग्रह कहां गए, सोमवार को यह भी पता नहीं चल सका था। पीएसएलवी-सी61-ईओएस-09 के साथ भी ठीक यही हुआ था। यानी इसरो के वैज्ञानिक सात महीनों के दौरान उस खामी से निजात नहीं पा सके, जिस कारण बीते मई में उनका मिशन विफल हुआ। उस नाकामी की जांच के लिए समिति बनी थी, जिसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई, जहां उसे गोपनीय श्रेणी में डाल कर रखा गया है। यानी जिन करदाताओं के पैसे से इसरो चलता है, उन्हें इस सूचना से वंचित रखा गया है कि उनका पैसा क्यों बर्बाद हुआ। अब फिर वैसा ही हादसा ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ है। पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर अब आशंका है कि लगातार दो नाकामियों के बाद इस रॉकेट लॉन्च के लिए बीमा की रकम बढ़ जाएगी और जो देश या कंपनियां इसके जरिए अपने उपग्रह भेजना चाहेंगी, उनके लिए इसरो को ठेका देना बेहद महंगा हो जाएगा। विश्वास का जो संकट पैदा हुआ है, वह इसके अलग है। इस विकट स्थिति से निकलने का उचित तरीका यही होगा कि भारत सरकार और इसरो पूरी पारदर्शिता बरतें। वे दोनों नाकामियों के बारे में सभी हित-धारकों को भरोसे में लें। नाकामियों के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। आखिर बिना पुरानी खामी को दूर किए अगले लॉन्च को कैसे हरी झंडी दी गई और किस स्तर पर ये फैसला हुआ, यह देश को मालूम होना चाहिए। पीएसएलवी-सी62 डीआरडीओ का अन्वेष उपग्रह भी ले जा रहा था। यानी इस नाकामी का असर भारत की रक्षा तैयारियों पर भी पड़ेगा। इसलिए इस संबंध में पूरी जांच एवं पारदर्शिता अनिवार्य है।

अब सांत्वना पुरस्कार!

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो 'उपहार' दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों- जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया। साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है। हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं। इसलिए वे अपने "सहयोगी" देशों की मदद से चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैं। जबकि भारत की फौरी जरूरत अमेरिका के साथ अनुकूल व्यापार समझौता है। उसमें मामला जहां का तहां अटका हुआ है। इस बारे में गोर ने इतना भर बताया कि वार्ता जारी है। इस बीच ट्रंप ने ईरान से कारोबार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। उससे भारत भी प्रभावित होगा। स्पष्टतः ऐसे कदमों के साथ दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी नजर आती हैं।

पैक्स सिलिका, भारत को शामिल करने से अमेरिका को लाभ

पैक्स सिलिका (Pax Silica) अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है, जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई (AI), सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई (AI) इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे "पॉजिटिव-सम" साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है। इस प्रकार पैक्स सिलिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और विश्वसनीय देशों के बीच सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई (AI) अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है। जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी। पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैं:- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और AI क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और AI सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा। भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर पड़ेगा नकारात्मक प्रभाव भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई (AI) सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी। रूस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, लेकिन सीधा उल्लेख कम है। यह वैश्विक तकनीकी निर्भरता को पुनर्गठित करेगा। इसका चीन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन वर्तमान में महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, चिप निर्माण और AI इंफ्रास्ट्रक्चर पर हावी है। लिहाजा पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत का प्रवेश उसके प्रभुत्व को कम करेगा, दबावयुक्त निर्भरता घटाएगा और वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाएगा। इससे चीन के निर्यात बाजार और तकनीकी वर्चस्व पर दबाव बढ़ेगा। जहां तक रूस पर प्रभाव की बात है तो रूस पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिला, लेकिन ट्रंप प्रशासन के रूसी तेल खरीद पर 500% टैरिफ जैसे कदमों से व्यापक आर्थिक दबाव जुड़ सकता है। दरअसल पैक्स सिलिका ऊर्जा स्रोतों की सुरक्षित चेन पर फोकस करता है, जो रूस के पारंपरिक ऊर्जा निर्यात को अप्रत्यक्ष चुनौती दे सकता है। इसका सामरिक निहितार्थ यह होगा कि भारत के बढ़े कदम से अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत होगी।इसको मजबूत कर भू-राजनीतिक संतुलन बदलेगा, जहां चीन-रूस गठजोड़ कमजोर पड़ सकता है। जबकि भारत को निवेश और तकनीक मिलने से उसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी। भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा क्योंकि नई पहल मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, AI और महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में उसके वर्तमान प्रभुत्व को कम करके बढ़ेगा। यह वैकल्पिक उत्पादन केंद्र स्थापित कर चीन के निर्यात बाजार को सीधे चुनौती देगा। रणनीतिक रूप से यह अमेरिका-नीत गठबंधन को मजबूत करेगा। जहां तक सप्लाई चेन पर प्रभाव की बात है तो चीन सिलिकॉन, चिप निर्माण और AI हार्डवेयर में 70-90% वैश्विक आपूर्ति नियंत्रित करता है। लिहाजा इसमें भारत का प्रवेश निवेश आकर्षित कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा, जिससे चीन के बाजार हिस्से में 10-20% गिरावट आ सकती है। इससे उसके निर्यात राजस्व में अरबों डॉलर का नुकसान होगा। इससे निर्यात और बाजार हानि भी होगी क्योंकि भारत जैसे नए केंद्रों से जापान, कोरिया और यूरोपीय कंपनियां खरीदारी स्थानांतरित करेंगी। चीन के सस्ते उत्पादों पर निर्भरता घटेगी, जिससे उसके व्यापार अधिशेष पर दबाव पड़ेगा। लंबे समय में AI और टेक निर्यात 15-25% कम हो सकते हैं। जहां तक भू-आर्थिक परिणाम की बात है तो भारत का यह कदम चीन को तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए मजबूर करेगा, लेकिन तत्काल पूंजी और बाजार हानि से उसकी विकास दर 0.5-1% धीमी हो सकती है। भारत-अमेरिका साझेदारी से वैश्विक टेक व्यापार का पुनर्वितरण होगा। इस प्रकार देखा जाए तो भारत को अपने पाले में मिलाने के लिए और रूस-चीन से उसकी रणनीतिक दूरी बढ़ाने के लिए दुनिया का थानेदार अमेरिका बेकरार है, क्योंकि गुटनिरपेक्ष भारत जिधर होगा उस वैश्विक गठबंधन का अंतर्राष्ट्रीय वजन स्वतः बढ़ जाएगा। ऐसा इसलिए कि भारत दुनिया की सबसे आबादी वाला गणतांत्रिक देश है। यहां के लोगों में बल और बुद्धिमत्ता कूट कूट कर भरी है। आर्थिक और सैन्य दृष्टि से भी भारत निरंतर प्रगति कर रहा है। यही वजह है कि अमेरिका ब्रेक के बाद एक से बढ़कर एक वैश्विक गुटीय ऑफर दे रहा है। यह बात अलग है कि रूस से भारत के घनिष्ट रिश्ते में खटास पैदा करने के लिए वह टैरिफ इजाफे का भी दांव चल चुका है और आगे ज्यादा करने की धमकी भी दे रहा है। वहीं द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को भी बेवजह लंबा खींच रहा है। ऐसे में अमेरिका अब भारत का भरोसेमंद मित्र नहीं हो सकता है। लेकिन रूसी-चीनी दोस्ती के दृष्टिगत अमेरिका से खुलेआम शत्रुता भी नहीं की जा सकती। इसलिए चीन की तरह ही अमेरिका से भी शो शो का रिश्ता रखना लाजिमी है। अनुभव बताता है कि अमेरिका भारत से अपनी मनवाने पर तुला हुआ है, लेकिन भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के दृष्टिकोण पर अडिग है जिससे अमेरिका की हर कोशिश कमतर प्रतीत होती है। ऐसा इसलिए कि भारत अपने भरोसेमंद अंतर्राष्ट्रीय मंच मित्र रूस को न तो छोड़ना चाहता है और न ही अपने रणनीतिक दुश्मन चीन-पाकिस्तान से बेवजह पंगा लेना चाहता है, क्योंकि भारत निज विकास के द्वारा अपनी जनता के जीवन स्तर में बढ़ोतरी को प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि अब अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका समूह में शामिल करने का लॉलीपॉप थमाया है, ताकि भारत को पटाकर रणनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।

- कमलेश पांडेय

भारत को एक सूत्र में जोड़ता है मकर संक्रांति!

मकर संक्रांति पर्व भारतीय संस्कृति का महान लोकपर्व सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है जो देश के प्रत्येक कोने में अलग अलग स्वरूप में मनाया जाता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। मकर संक्रांति भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पंद्रहवें दिन ही पड़ता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रांति पर्व को कहीं-कहीं 'उत्तरायण' भी कहते हैं। असल में 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर होते हैं। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' भी कहते है। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर

छह महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। बहरहाल, संपूर्ण भारत में मकर संक्रांति विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। विभिन्न प्रांतों में इस त्योहार को मनाने के जितने अधिक रूप प्रचलित हैं उतने किसी अन्य पर्व में नहीं। जम्मू में यह पर्व 'उत्तरैन' और 'माघी संगरांद' के नाम से विख्यात है। कुछ लोग इसे 'उत्रैण', 'अत्रैण' अथवा 'अत्रणी' के नाम से भी जानते है। इससे एक दिन पूर्व लोहड़ी का पर्व भी मनाया जाता है, जो कि पौष मास के अंत का प्रतीक है। जम्मू कश्मीर के डोगरा घरानों में इस दिन मांह की दाल की खिचड़ी खाई जाती है। इसलिए इसको 'खिचड़ी पर्व' भी कहा जाता है। उधमपुर की देविका नदी के तट पर, हीरानगर के धगवाल में और जम्मू के अन्य पवित्र स्थलों पर जैसे कि पुरमण्डल और उत्तरबैह्री पर इस दिन मेले लगते है। भद्रवाह के वासुकी मंदिर की प्रतिमा को आज के दिन घृत से ढका जाता है। उत्तर प्रदेश में यह मुख्य रूप से 'दान का पर्व' है। प्रयागराज में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर प्रत्येक वर्ष एक माह तक मेला लगता है. जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 दिसंबर से 14 जनवरी तक का समय खर मास के नाम से जाना जाता है। ऐसा विश्वास है कि मकर संक्रांति से पृथ्वी पर अच्छे दिनों की शुरुआत होती है। बिहार में मकर संक्रांति को 'खिचड़ी' नाम से जाना जाता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चिवड़ा, गौ, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि दान करने का अपना महत्त्व है। इस दिन बिहारवासी दिन में दही चूड़ा खाकर और रात के समय उड़द दाल और चावल की खिचड़ी बनाकर इस पर्व को मनाते हैं। इस दिन लाई, तिलवा या ढोंढा (चुरा या मुरमुरे का लड्डू) का भी बहुत महत्व माना जाता है। महाराष्ट्र में इसे दिन सभी विवाहित महिलाएं अपनी पहली संक्रांति पर कपास, तेल व नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। बंगाल में इस पर्व पर स्नान के पश्चात तिल दान करने की प्रथा है। वहां गंगासागर में प्रति वर्ष विशाल मेला लगता है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए व्रत किया था। इस दिन गंगासागर में स्नान-दान के लिए लाखों लोगों की भीड़ होती है। लोग कष्ट उठाकर गंगा सागर की यात्रा करते हैं। इसलिए कहा जाता है, "सारे तीरथ बार बार, गंगा सागर एक बार"। तमिलनाडु में इस त्योहार को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाते है। प्रथम दिन भोगी-पोंगल, द्वितीय दिन सूर्य-पोंगल, तृतीय दिन मट्टू-पोंगल अथवा केनू-पोंगल और चौथे व अंतिम दिन कन्या-पोंगल मनाया जाता है। इस पर्व के पहले दिन कूड़ा करकट इकठ्ठा कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पशु धन की पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाया जाता है।

-अजीत दुबे

मकर संक्रांतिः देवताओं का काल उत्तरायण!

मकर संक्रांति का महत्व सूर्य के उत्तरायण होने से जुड़ा है। शीतकाल के अंत में सूर्य मकर रेखा को पार करते हुए उत्तर दिशा की ओर बढ़ता है, जिसे उत्तरायण कहा जाता है। वास्तव में मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने और मकर राशि में प्रवेश करने के शुभ अवसर का पर्व है। इसे देवताओं के दिन, अर्थात देवयान की शुरुआत और शीत ऋतु के अंत का प्रतीक माना जाता है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है और यहाँ के अधिकांश पर्व-त्योहार, व्रत और शुभ तिथियाँ चंद्रमा की गति पर आधारित भारतीय पंचांग के चांद्र मास के अनुसार तय की जाती हैं। लेकिन मकर संक्रांति एक ऐसा पर्व है, जो सूर्य की गति को आधार बनाकर सौर मास के अनुसार मनाया जाता है। वर्ष भर सूर्य बारह राशियों—मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन—में भ्रमण करता है। सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने की खुशी में यह ऋतु पर्व मनाया जाता है। मकर संक्रांति दो ऋतुओं का संधिकाल है। यह शीत ऋतु के समाप्त होने और वसंत ऋतु के आरंभ का संकेत और प्रतीक है। मकर संक्रांति का महत्व सूर्य के उत्तरायण होने से जुड़ा है। शीतकाल के अंत में सूर्य मकर रेखा को पार करते हुए उत्तर दिशा की ओर बढ़ता है, जिसे उत्तरायण कहा जाता है। वास्तव में मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने और मकर राशि में प्रवेश करने के शुभ अवसर का पर्व है। इसे देवताओं के दिन, अर्थात देवयान की शुरुआत और शीत ऋतु के अंत का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर सूर्य की पूजा, शुभ कार्य, स्नान और दान का विशेष महत्व होता है। यह पर्व सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ रबी की नई फसल के आगमन और कृषि चक्र की शुरुआत का भी प्रतीक है। किसान इस समय परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करते हैं। मकर संक्रांति तिथि पर आधारित पर्व नहीं है, बल्कि यह अयन पर आधारित है। इस दिन सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होता है। सूर्य की गति में होने वाले अंतर की पूर्ति के लिए प्रत्येक अस्सी वर्ष (कुछ गणनाओं में 72 वर्ष) में संक्रांति की तिथि एक दिन आगे बढ़ जाती है। सामान्यतः मकर संक्रांति 14 जनवरी को होती है, लेकिन कुछ वर्षों में यह 15 जनवरी को भी मनाई जाती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य का धनु से मकर राशि में प्रवेश हर वर्ष लगभग 20 मिनट देर से होता है। हर तीन वर्ष में यह देरी लगभग एक घंटे की हो जाती है और हर 72 वर्ष में एक दिन का अंतर आ जाता है। झारखंड के गुमला जिले के प्राचीन ग्राम मुरुनगुर, वर्तमान

मुरगु ग्राम निवासी पुरोहित और ज्योतिषाचार्य पं. विनोदानंद पाठक के अनुसार मकर संक्रांति पहली बार 14 जनवरी को वर्ष 1902 में मनाई गई थी। इससे पहले 18वीं सदी में यह 12 या 13 जनवरी को मनाई जाती थी। वर्ष 1964 में मकर संक्रांति पहली बार 15 जनवरी को पड़ी। इसके बाद प्रत्येक तीसरे वर्ष अधिकमास के कारण चौथे वर्ष यह 15 जनवरी को मनाई जाने लगी। इस क्रम में वर्ष 2077 में अंतिम बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी। वर्ष 2026 में सूर्य 14 जनवरी को दोपहर 3:13 बजे मकर राशि में प्रवेश करेंगे, इसलिए इसी दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। सामान्य रूप से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन कर्क और मकर राशि में सूर्य का प्रवेश धार्मिक, आध्यात्मिक और साधना की दृष्टि से विशेष फलदायी माना जाता है। यह संक्रमण छह-छह महीने के अंतराल पर होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से इसका कारण पृथ्वी का लगभग छह महीने के अंतराल पर उत्तर और दक्षिण दिशा की ओर झुकना है, जो एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार वर्ष में कुल बारह संक्रांतियाँ होती हैं, जिनमें मकर संक्रांति का महत्व सबसे अधिक है, क्योंकि यहीं से उत्तरायण का पुण्य और शुभ काल आरंभ होता है। उत्तरायण को देवताओं का काल माना जाता है। वैसे तो पूरा काल पवित्र माना जाता है, लेकिन इस समय का महत्व कुछ अधिक होता है। इसके बाद उत्तर भारत में ठंड धीरे-धीरे कम होने लगती है और त्योहारों का सिलसिला शुरू होता है। मकर संक्रांति शीत ऋतु के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। यह पर्व सूर्योपासना, फसल कटाई, नए मौसम के स्वागत, खिचड़ी, तिल-गुड़ के दान-पुण्य, नदी स्नान और पतंगबाजी जैसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से मनाया जाता है। इससे लोग सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक लाभ की कामना करते हैं। पौराणिक मान्यताओं में संक्रांति को देवी माना गया है। कथा के अनुसार संक्रांति ने संकरासुर नामक दानव का वध किया था। किंक्रांति, संक्रांति के अगले दिन होती है, जब किंकरासुर का वध किया गया था। यह कथा बुराई पर विजय और नवजीवन के प्रतीक को दर्शाती है। एक अन्य मान्यता के अनुसार मकर संक्रांति के दिन ही गंगा भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए सागर में मिली थीं। यह भी माना जाता है कि इस दिन सूर्य अपने पुत्र शनि देव से मिलने उनके घर जाते हैं, अर्थात मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिससे पिता-पुत्र का संबंध मधुर होता है कथाओं के अनुसार सूर्य और शनि के संबंध पहले अच्छे नहीं थे। शनि द्वारा सूर्य को ग्रहण लगाने से सूर्य को दुःख हुआ था। लेकिन मकर संक्रांति के दिन शनि ने अपने पिता को प्रणाम किया और आशीर्वाद लिया। इससे सूर्य प्रसन्न हुए और शनि को आशीर्वाद दिया। इस कारण यह पर्व मेल-मिलाप और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। यह दिन आपसी मतभेद दूर करने और सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। साधना के लिए भी यह समय उत्तम माना गया है, क्योंकि सूर्योदय से सूर्यास्त तक वातावरण अधिक चैतन्यमय रहता है। कर्क संक्रांति से मकर संक्रांति तक के काल को दक्षिणायन कहा जाता है। मान्यता है कि उत्तरायण में मृत्यु प्राप्त करने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है, जबकि दक्षिणायन में मृत्यु होने पर यम लोक जाने की संभावना मानी जाती है। इसी कारण महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपने प्राण त्यागने के लिए उत्तरायण काल की प्रतीक्षा की थी। उत्तरायण को मोक्ष का मार्ग माना गया है। मकर संक्रांति से रथसप्तमी तक का समय पर्वकाल कहलाता है। इस दौरान किया गया दान और पुण्य विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों में इस दिन दान, जप और धार्मिक अनुष्ठानों का बड़ा महत्व बताया गया है। कहा जाता है कि इस दिन दिया गया दान सौ गुना फल देता है। उपायन देने की भी परंपरा है, जिसका अर्थ है तन, मन और धन से दूसरे जीव में विद्यमान देवत्व को स्वीकार करना। इस काल में की गई साधना और उपायन से देव कृपा प्राप्त होती है और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति का उल्लेख स्कंद पुराण, पद्म पुराण और भविष्य पुराण में मिलता है। इन ग्रंथों में इसके महत्व, पूजा विधि और कथाओं का वर्णन किया गया है। यह पर्व उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत और नेपाल तक सम्मानपूर्वक मनाया जाता है। मकर संक्रांति भारत की विविध परंपराओं और सांस्कृतिक एकता को दर्शाने वाला पर्व है। देश के अलग-अलग राज्यों में यह विभिन्न नामों और रूपों में मनाया जाता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल, गुजरात और उत्तराखंड में उत्तरायण, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में माघी, असम में भोगाली बिहु कहा जाता है। कश्मीर घाटी में इसे शिशुर सेंक्रात, सिंध में तिरमौरी, उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी पर्व के रूप में जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में यह पौष संक्रांति और कर्नाटक में मकर संक्रमण कहलाता है। पंजाब में इसे लोहड़ी के नाम से भी मनाया जाता है। भौगोलिक, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद यह पर्व पूरे भारत में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति की एकता और महानता का प्रतीक है। देश केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं बनता, बल्कि संस्कृति उसे राष्ट्र का रूप देती है। अलग-अलग भाषा और क्षेत्रों के लोग इसी सांस्कृतिक धागे से जुड़े रहते हैं। मकर संक्रांति के विविध रूप भारतीय मन की एकता का प्रमाण हैं। वैदिक खगोलीय ज्ञान, कृषि परंपराओं और आध्यात्मिक विश्वासों के संगम से बना यह पर्व लोगों में नई ऊर्जा और सकारात्मकता के संचार की प्रार्थना का अवसर देता है।

-अशोक 'प्रवृद्ध'

ट्रंप की धमकियों के बावजूद ईरान पर हमला क्यों नहीं कर रहा अमेरिका, 5 कारणों से समझें मजबूरी

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर मुखर हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर ईरान को मिलिट्री एक्शन की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्ती दिखाता है तो अमेरिकी सेना दखल देगी। ट्रंप की ये धमकियां वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद बढ़ गई है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत पकड़कर अमेरिका लाया गया था। हालांकि, ट्रंप की लगातार धमकियों के बावजूद ईरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जबरदस्त बल प्रयोग कर रहा है, जिसमें आधिकारिक रूप से 2500 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा बताई जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि डोनाल्ड ट्रंप आखिर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं।

1- ईरान के नजदीक अमेरिकी सैन्य तैनाती कमजोर

ट्रंप लगातार ईरान के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हालांकि, पेंटागन ने अभी तक ईरान के करीब कोई भी एयरक्राफ्ट कैरियर तैनात नहीं किया है, जैसा कि वेनेजुएला के मामले में देखा गया था। पिछले साल इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध के दौरान अमेरिका ने ईरान की व्यापक घेराबंदी की थी और कम से कम दो एयरक्राफ्ट कैरियरों, एक लाख सैनिकों और एम्फीबियस असाल्ट ग्रुप को भी तैनात किया था। हालांकि, इतनी भारी-भरकम तैनाती के बावजूद अमेरिका ने सिर्फ स्टील्थ बमवर्षकों के जरिए हवाई हमला किया था और उसे भी सीधे अमेरिकी धरती से अंजाम दिया गया था।

2- अमेरिका के खाड़ी सहयोगी तैयार नहीं

अमेरिका के खाड़ी सहयोगी देश भी ईरान के खिलाफ हमले को लेकर अनिच्छुक हैं। ट्रंप की विदेश नीति से उन्हें भी डर है कि कहीं मुश्किल के समय अमेरिका उन्हें अकेला न छोड़ दे। इनमें जॉर्डन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और मिस्र जैसे देश शामिल हैं। हालांकि, इन देशों की अवाम भी यह नहीं चाहती है कि अमेरिका उनका इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए करे। ऐसे में ये देश अपने अवाम के विरोध से बचने के लिए अमेरिका से कन्नी काट रहे हैं और ईरान के खिलाफ हमले को लेकर उदासीन बने हुए हैं।

3- अमेरिकी हमले का उल्टा असर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो इसका उल्टा असर होगा। यह हमला सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरानी सरकार को घरेलू समर्थन जुटाने, आंतरिक विरोध प्रदर्शनों को गैर-कानूनी ठहराने और बाहरी खतरे के खिलाफ क्षेत्रीय गठबंधनों को मजबूत करने में मदद करेगा। ऐसे में अमेरिका को इस हमले का अंजाम भुगतना होगा और ईरान में तख्तापलट की उम्मीदें पूरी तरह से टूट जाएंगी।

4- लॉजिस्टिक की समस्या

ईरान के आसपास के इलाके में पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी सैनिकों की संख्या में कमी आई है। इससे ट्रंप के लिए सैन्य विकल्प और कम हो गए हैं। अगर अमेरिका अभी से सैन्य तैनाती बढ़ाने का फैसला करता है तो उसे हफ्ते-दो हफ्ते का समय लग सकता है। इतने दिनों में ईरान विरोध प्रदर्शनों को बिलकुल दबा सकता है, जिसके बाद हमला करने का कोई मतलब नहीं बचेगा।

5- अमेरिका को सहना होगा पलटवार

ईरान ने भी चेतावनी दी है कि अगर हमला हुआ, तो वह भी इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि इज़राइल के साथ 12 दिन की लड़ाई में ईरान की मिलिट्री ताकत काफी कम हो गई थी। लेकिन, खबरों के मुताबिक ईरान ने सीमित मिसाइल क्षमता बनाए रखी है। ईरान के मुख्य लॉन्च साइट पहाड़ों में छिपे हुए हैं। ईरान इन्हें बड़े पैमाने पर विकसित कर रहा है। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास लगभग 2,000 बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो अगर बड़ी संख्या में लॉन्च की जाएं तो अमेरिका और इजरायल दोनों के लिए खतरा बढ़ सकता है।

पाकिस्तान में लश्कर कमांडर के घर में लगी आग, आतंकी की पत्नी और बेटी की जलकर मौत

एजेंसी इस्लामाबाद

मुजफ्फराबादः पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के टॉप आतंकी रिजवान हनीफ के घर में रहस्यमय परिस्थितियों में आग लग गई। यह आग इतनी भयावह थी कि घर में मौजूद पत्नी और बेटी को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। इस कारण आग में जलने और दम घुटने से लश्कर आतंकी रिजवान हनीफ की पत्नी और बेटी की मौत हो गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। रिजवान हनीफ पीओके में लश्कर का डिप्टी चीफ है। लश्कर आतंकी रिजवान हनीफ का घर पीओके के रावलकोट में गरकानी के पास रहारा नारा गांव में है। खबरों के मुताबिक, इस घटना में उनकी पत्नी और बेटी की मौत हो गई। वे जिंदा जल गईं। यह पता नहीं चल सका है कि आग लगने की घटना के वक्त रिजवान हनीफ घर पर मौजूद था या नहीं 'सैनिक के लिए रिटायरमेंट बस एक शब्द', ऑपरेशन पवन के वीर योद्धाओं को इस अंदाज में रक्षा मंत्री ने किया याद रिजवान हनीफ वही कुख्यात लश्कर कमांडर है जिसने पहलगाम हमले के आतंकवादी हबीब ताहिर, जिसे हमजा अफगानी के नाम से भी जाना जाता है, को लश्कर में शामिल किया था। वह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बीच जॉइंट कोऑर्डिनेटर के तौर पर भी काम करता है। पिछले साल जुलाई में रिजवान हनीफ की जूतों से पिटाई हुई थी। वह स्थानीय बच्चों को आतंकवादी बनाने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान जब बच्चों के घरवालों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने रिजवान हनीफ की जमकर पिटाई की थी। वह इन बच्चों का ब्रेनवॉश कर उन्हें स्थानीय आतंकी कैंपों में भर्ती करने की तैयारी में था। सूत्रों के अनुसार, वह पीओके में युवाओं की भर्ती, हथियारों की तस्करी और भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता है।

भारत से 36 अरब डॉलर की राफेल महाडील पाकर मालामाल हो जाएगा फ्रांस, बताया कितनी बढ़ जाएगी GDP

एजेंसी पेरिस

भारत ने तय कर लिया है कि भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करने के लिए फ्रांस से राफेल फाइटर जेट खरीदे जाएंगे। फ्रांस की डिफेंस वेबसाइट Avions Legendaires ने इस डील को लेकर कई तरह के दावे किए हैं। इसमें बताया गया है कि भारत, फ्रांसीसी राफेल फाइटर जेट का सबसे एडवांस वर्जन खरीदने जा रहा है। इसमें कहा गया है कि भारत और फ्रांस के बीच इस समझौते पर फरवरी महीने में दस्तखत किए जाएंगे। ये सौदा उस वक्त होगा, जब फरवरी में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत का दौरा करेंगे। इसने कहा है कि भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का सौदा होगा, जिसे मेक इन इंडिया के तहत भारत में स्थानीय स्तर पर बनाया जाएगा। भारत और फ्रांस के बीच जो समझौता होगा, उसमें 90 नये राफेल F4 लड़ाकू विमान छोटी और मध्यम अवधि में भारत को डिलीवरी दी जाएगी। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के पास मौजूद 36 राफेल लड़ाकू विमानों को F4 वैरिएंट में अपग्रेड किया जाएगा। ये अपग्रेडेशन उसी तरह का होगा, जैसा फ्रांसीसी वायुसेना और फ्रांस की नौसेना के मौजूदा वैरिएंट को F4 वैरिएंट में अपग्रेड किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये कॉन्ट्रैक्ट का पहला चरण होगा। जबकि दूसरे चरण में मध्यम और लबी अवधि के लिए कॉन्ट्रैक्ट होगा, जिसमें 24 राफेल F5 का एक बैच शामिल होगा, जिनमें सभी का उत्पादन फ्रांस में ही डसॉल्ट एविएशन कंपनी करेगी। यानि F5 का निर्माण भारत में नहीं, बल्कि फ्रांस में ही होगा। फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत और फ्रांस के बीच F5 राफेल को लेकर पेंच फंसी हुई है। भारत अपने नए डिलीवर किए गए राफेल F4 को स्वतंत्र रूप से F5 स्टैंडर्ड में अपग्रेड कर सकता है या नहीं, इसको लेकर अड़चनें बाकी है। अभी यह पता नहीं है कि क्या पुराने राफेल F3, जिन्हें F4 स्टैंडर्ड में अपग्रेड किया जाएगा, क्या उन्हें भी F5 में बदला जा सकता है? इसको लेकर अभी पूरी तरह से मामला साफ नहीं हो पाया है। फरवरी महीने में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत का दौरा करेंगे, जहां वो AI इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेंगे। ये शिखर सम्मेलन 16 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा और इसी दौरान भारत और फ्रांस के बीच राफेल फाइटर जेट को लेकर समझौते पर साइन होने की उम्मीद है। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल के लिए 3.25 लाख करोड़ रुपये की डील होने वाली है। यानि करीब 36 अरब डॉलर से ज्यादा की ये डील होगी। हालांकि फ्रांसीसी मीडिया ने कहा है कि फिलहाल ये डील कितने अरब डॉलर की होगी, इसकी जानकारी आधिकारिक तौर पर नहीं दी गई है, लेकिन उसका कहना है कि ये डील इतनी विशालकाय होगी कि फ्रांस की जीडीपी कुछ प्रतिशत बढ़ जाएगी। फ्रांसीसी मीडिया ने कहा है कि भारतीय वायुसेना ने राफेल फाइटर जेट का पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त इस्तेमाल किया है और वायुसेना अधिकारियों का विश्वास राफेल में काफी बढ़ गया है। इसीलिए ये डील ऐसे लोगों को चुप करा देगा, जो पिछले कुछ महीनों से राफेल की बुराई कर रहे थे।

अजित डोभाल के किस बयान से पाकिस्तान को लगी तीखी मिर्ची, कर दी कड़ी निंदा

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के एक बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उसने न सिर्फ बयान की कड़ी निंदा की है, बल्कि डोभाल को गैरजिम्मेदार राजनेता भी करार दिया है। पाकिस्तान ने अजित डोभाल पर क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करने का भी आरोप लगाया है। यह बयान तब आया है, जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों में तनाव चरम पर है। भारत ने बार-बार दोहराया है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और अगर पाकिस्तान फिर कोई हिमाकत करता है तो उसे पिछली बार की तुलना में और कड़ा जवाब दिया जाएगा। अजित डोभाल ने शनिवार को युवा दिवस के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग- 2026 में दिए गए भाषण में युवाओं से इतिहास का प्रतिशोध लेने का आह्वान किया था। डोभाल ने कहा था, "इतिहास हमें एक चुनौती देता है। हर युवा के अंदर वो आग होनी चाहिए। प्रतिशोध शब्द अच्छा तो नहीं है लेकिन प्रतिशोध भी अपने आप में भारी शक्ति है। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है।"पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि डोभाल के ये बयान जिम्मेदार राजनेता के बजाय "काल्पनिक ऐतिहासिक बदले की भावना" को दर्शाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "ये टिप्पणियां छिपे हुए नफरत फैलाने वालों की ओर से आने पर शायद ही आश्चर्यजनक हैं।" अंद्राबी ने कहा, "इस तरह की बातें क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करती हैं।" अजित डोभाल और पाकिस्तान की अदावत दशकों पुरानी है। डोभाल ने पाकिस्तान की नाक के नीचे जासूस बनकर काम किया है। वे कई साल पाकिस्तान में स्थित भारतीय उच्चायोग में तैनात रहे हैं। इसके अलावा वे मोदी सरकार में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की रक्षा नीति के आर्किटेक्ट भी माने जाते हैं। 2014 के बाद पाकिस्तान के खिलाफ लगभग जितने सैन्य ऑपरेशन हुए हैं, उन सभी को अजित डोभाल की मंजूरी के बाद अंजाम दिया गया है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होकर रहेगा चुनाव, मोहम्मद यूनुस ने दिलाया भरोसा, अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर साधी चुप्पी

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भरोसा दिलाया है कि 12 फरवरी को हर हाल में देश में चुनाव होंगे। मोहम्मद यूनुस की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि 12 फरवरी को हर हाल में चुनाव होंगे, ना एक दिन पहले और ना एक दिन बाद। चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने ये बातें उस वक्त कही हैं, जब अमेरिका के दो पूर्व सीनियर डिप्लोमैट, अल्बर्ट गोम्बिस और मोर्स टैन ने मंगलवार देर रात ढाका में स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में उनसे मुलाकात की। इन दोनों ने डोनाल्ड ट्रंप के पहले प्रशासन के दौरान काम किया था।

मोहम्मद यूनुस ने कहा कि चुनावों को लेकर फेक न्यूज और जानबूझकर भ्रम फैलाने की बाढ़ आ गई है। लेकिन उन्होंने आश्वास्त करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार 12 फरवरी को चुनाव कराने और नतीजे घोषित होने के बाद लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सत्ता सौंपने की अपनी इरादे और वादे पर कायम है। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि "कोई कुछ भी कहे, चुनाव 12 फरवरी को ही होंगे, न एक दिन पहले, न एक दिन बाद।" उन्होंने आगे कहा कि "मतदान आजाद, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगी और एक त्योहार जैसे माहौल में होगी।" मोहम्मद यूनुस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अंतरिम सरकार चुनावों के दौरान पूरी तरह से निष्पक्ष रहेगी। ताकि एक निष्पक्ष प्रशासन और सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे। अमेरिका के पूर्व एक्टिंग अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट अल्बर्ट गोम्बिस और पूर्व एम्बेसडर-एट-लार्ज मोर्स टैन अहम चुनावों से पहले बांग्लादेश का दौरा किया है। ये बैठक करीब एक घंटे तक चली, जिसमें मोहम्मद यूनुस और अमेरिकी डिप्लोमेट्स के बीच कई मुद्दों पर बात की गई। इस दौरान आगामी चुनाव, पिछले साल जुलाई में सत्ता परिवर्तन और उसके बाद के हालात, युवा प्रदर्शनकारियों का उदय, जुलाई चार्टर और जनमत संग्रह, वोट को टारगेट करने वाली फेक न्यूज और गलत जानकारी, रोहिंग्या संकट जैसे मामले शामिल थे। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में एक ऐसा लोकतांत्रिक शासन आएगा, जिसमें भविष्य में तानाशाही के लिए कोई जगह नहीं होगी। यूनुस ने कहा कि पूर्व तानाशाह सरकार के समर्थक चुनावों को लेकर भ्रम पैदा करने की कोशिश में फेक न्यूज़ और गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, "लेकिन लोग सतर्क हैं। वे AI-जनरेटेड गलत जानकारी वाले वीडियो का पता लगा सकते हैं।"

निकोलस पूरन ने ठुकराया संन्यास वापसी का प्रस्ताव, टी20 वर्ल्ड कप से पहले वेस्टइंडीज बोर्ड की आखिरी कोशिश भी नाकाम

एजेंसी सेंट जॉन्स

आगामी आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 से पहले क्रिकेट वेस्टइंडीज को एक बड़ा झटका लगा है। बोर्ड ने अपने स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास वापस लेने और विश्व कप खेलने के लिए मनाने की पुरजोर कोशिश की थी, लेकिन पूरन ने अपने फैसले पर कायम रहने का निर्णय लिया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के क्रिकेट निदेशक माइल्स बासकोम्बे ने पुष्टि की है कि बोर्ड ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले इस महाकुंभ के लिए सबसे मजबूत टीम उतारने के इरादे से पूरन से संपर्क किया था। बासकोम्बे ने कहा, 'हमने यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया कि वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करें। हमने वापसी की संभावनाओं की पूरी पड़ताल की, लेकिन पूरन अपने फैसले पर कायम रहकर खुश हैं।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरन ने विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही संन्यास का निर्णय लिया था।

कैरेबियाई बल्लेबाजी में खलेगी पूरन की कमी

निकोलस पूरन दुनिया के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। कुछ ही गेंदों में मैच का पासा पलटने की उनकी क्षमता और आक्रामक शैली वेस्टइंडीज की सबसे बड़ी ताकत रही है। उनके संन्यास से टीम के मध्यक्रम में एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे भरना आसान नहीं होगा, खासकर तब जब विश्व कप भारत और श्रीलंका की पिचों पर खेला जाना है जहां स्पिन के खिलाफ पूरन जैसे खिलाड़ियों की भूमिका अहम होती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बावजूद पूरन दुनिया भर की टी20 लीगों में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी शानदार फॉर्म को देखते हुए ही बोर्ड उन्हें वापस लाने के लिए बेताब था। अब जबकि पूरन की वापसी की उम्मीदें खत्म हो गई हैं, वेस्टइंडीज को उभरती हुई प्रतिभाओं और टीम में सक्रिय अनुभवी खिलाड़ियों पर ही निर्भर रहना होगा। टी20 विश्व कप नजदीक है और वेस्टइंडीज की टीम अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी सीरीज के बाद अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देगी। टीम प्रबंधन अब युवाओं और अनुभव के एक नए संतुलन की तलाश में है। पूरन का न होना निश्चित रूप से एक झटका है, लेकिन यह निकोलस स्मिथ जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच साबित हो सकता है जहां वे खुद को साबित कर सकें।

सफलता के शिखर पर नीरज चोपड़ा ने बदला अपना कोच , पहले गुरु जय चौधरी पर फिर जताया भरोसा

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा ने चेक जान जेलेज़नी के साथ एक साल के कार्यकाल के बाद उनसे अलग होने का फैसला किया है। इस दौरान उन्होंने तकनीकी प्रगति तो की, लेकिन प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन मिले-जुले रहे। हालांकि अलग होने का सटीक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन दोनों ने आपसी सहमति से और सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने का निर्णय लिया। नीरज चोपड़ा ने कहा कि जान के साथ काम करने से मुझे कई नए विचारों का ज्ञान प्राप्त हुआ। तकनीक, लय और गति के बारे में उनकी सोच अद्भुत है, और मैंने उनके साथ हुए हर सत्र से बहुत कुछ सीखा।

वहीं, अब खबर यह है कि जान जेलेज़नी से अलग होने के बाद, नीरज चोपड़ा कथित तौर पर अपने पहले कोच जय चौधरी के साथ फिर से जुड़ने वाले हैं। चौधरी ही वह

कोच थे जिन्होंने नीरज को इस खेल से परिचित कराया और वे पानीपत में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देते हैं। खबरों के अनुसार, चौधरी नीरज की टीम में सलाहकार के रूप में शामिल होंगे। उनका काम कोचिंग और तकनीकी सहायता प्रदान करना होगा। नीरज के कोच के रूप में जेलेज़नी का कार्यकाल 2024 के अंत में शुरू हुआ था, जब डॉ. क्लाउस बार्टोनीट्ज़ ने वृद्धावस्था के कारण अपना पद छोड़ दिया था। इस बीच, जेलेज़नी ने कहा कि नीरज जैसे एथलीट के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। मुझे खुशी है कि हम मिले और साथ काम कर पाए, और मैंने उन्हें पहली बार 90 मीटर की बाधा पार करने में मदद की। उन्होंने आगे कहा कि हमारा रिश्ता मानवीय दृष्टि से भी बहुत सकारात्मक है और हम संपर्क में बने रहेंगे। हम निश्चित रूप से किसी प्रशिक्षण शिविर में या उदाहरण के तौर पर, यूरोप या भारत में अपने परिवारों के साथ छुट्टियों पर मिलेंगे। इस साझेदारी के चलते नीरज ने 2025 दोहा डायमंड लीग में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, जो कोच और एथलीट के रूप में उनकी एक साथ पहली प्रतियोगिता भी थी। इस साझेदारी में नीरज ने पेरिस डायमंड लीग, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और पहले एनसी क्लासिक में भी खिताब जीते।

दिल्ली का दमघोंटू प्रदूषण और गंदगी के कारण वर्ल्ड नंबर-2 एंटोनसेन ने इंडिया ओपन छोड़ा, लगा 4 लाख का जुर्माना

एजेंसी नई दिल्ली

डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी और विश्व नंबर-2 एंडर्स एंटोनसेन ने लगातार तीसरे साल 'इंडिया ओपन' से हटने का फैसला किया है, जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर दिल्ली की स्थिति को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। एंटोनसेन ने स्पष्ट किया कि दिल्ली का अत्यधिक वायु प्रदूषण उनके इस टूर्नामेंट में हिस्सा न लेने का मुख्य कारण है। इस फैसले के चलते बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने उन पर 5000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। एंटोनसेन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना अधिक है कि उन्हें नहीं लगता कि यह बैडमिंटन जैसे उच्च-स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए सही जगह है। उन्होंने कहा, 'मैं तीसरी बार इस टूर्नामेंट से हटा हूं क्योंकि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। उम्मीद है कि गर्मियों में जब यहां विश्व चैंपियनशिप होगी, तब स्थिति बेहतर रहेगी।' एंटोनसेन ने जुर्माने पर निराशा जताते हुए कहा कि उन्हें फिर से इस राशि का भुगतान करना होगा।

मिया ब्लिचफेल्ट के आरोपों ने बढ़ाई हलचल विवाद

तब और गहरा गया जब एक अन्य डेनिश खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में प्रशिक्षण की स्थितियों को अस्वास्थ्यकर और गंदा करार दिया। पहले दौर का मैच जीतने के बाद ब्लिचफेल्ट ने आरोप लगाया कि वार्म-अप क्षेत्रों में पक्षियों और कबूतरों की बीट (मल) पड़ी हुई थी। उन्होंने कोर्ट के अंदर धूल और अत्यधिक ठंडे तापमान को लेकर भी चिंता जताई, जिससे खिलाड़ियों की सेहत पर असर पड़ सकता है। खिलाड़ियों की इन शिकायतों के बाद भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) ने तुरंत स्पष्टीकरण जारी किया। BAI के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा कि ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मेन एरेना पूरी तरह साफ और कबूतर-मुक्त है। मिश्रा के अनुसार, खिलाड़ियों की शिकायतें अभ्यास के लिए उपयोग किए जा रहे पुराने केडी जाधव स्टेडियम से संबंधित हो सकती हैं, न कि मुख्य इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से। ये विवाद ऐसे समय में सामने आए हैं जब भारत इस साल के अंत में प्रतिष्ठित विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। डेनिश खिलाड़ियों ने BWF से आग्रह किया है कि विश्व चैंपियनशिप से पहले आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं और पर्यावरणीय स्थितियों की कड़ी समीक्षा की जाए। दिल्ली जैसे महानगर में प्रदूषण एक गंभीर और पुरानी समस्या है। खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े ये मुद्दे न केवल टूर्नामेंट की सफलता पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की खेल सुविधाओं की छवि को भी प्रभावित कर सकते हैं।

जहां फेल हो गए विराट कोहली और रोहित शर्मा, वहां छाए केएल राहुल, छक्का लगाकर ठोकी सेंचुरी

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में राजकोट में शानदार शतक ठोका है। राहुल ने अपना 8वां वनडे शतक न्यूजीलैंड के खिलाफ सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में छक्के के साथ पूरा किया। बता दें कि राजकोट की मुश्किल पिच पर रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों जल्दी आउट हो गए थे। केएल राहुल जब बल्लेबाजी करने के लिए आए थे तो टीम इंडिया मुश्किल में थी। हालांकि, उन्होंने भारत को मुश्किल से निकाला और शानदार पारी खेली। केएल राहुल ने भारतीय पारी के 49वें ओवर में शतक पूरा किया। 49वां ओवर काइल जैमीसन डाल रहे थे। उनके ओवर की आखिरी गेंद पर केएल राहुल स्ट्राइक पर थे। राहुल को जैमीसन ने फुल टॉस गेंद डाली। इसपर राहुल ने लॉन्ग ऑन पर गजब छक्का लगाया और अपना शतक पूरा किया। राहुल ने 87 गेंद में सेंचुरी पूरी की। 33 साल के केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में नाबाद 112 रन बनाए। उन्होंने 92 गेंदों की पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया। उनका स्ट्राइक रेट 121.74 का था। राहुल की पारी की बदौलत टीम इंडिया एक फाइटिंग टोटल तक पहुंच पाई। पिछली 4 वनडे पारियों में राहुल ने 2 अर्धशतक और 1 शतक लगाया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ राहुल का बल्ला वनडे में जमकर बोलता है। उन्होंने 10 पारियों में 93.8 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 469 रन बनाए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 2 सेंचुरी और 1 फिफ्टी लगाई है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में टीम इंडिया ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए। राहुल के शतक के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने फिफ्टी ठोकी और 56 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट क्रिस्टियन क्लार्क ने लिए। 1-1 विकेट काइल जैमीसन, जकारी फॉलक्स, जेडन लेनॉक्स और माइकल ब्रेसवेल ने लिया।

व्यापार

गिग वर्कर्स का विरोध का हुआ असर, अब इन कंपनियों ने बदली रणनीति

एजेंसी नई दिल्ली

सरकार एक्शन में आई और कंपनियों ने अपनी रणनीति बदल दी। पहले ब्लिंकिट (Blinkit) ने घोषणा की। आज जेप्टो (Zepto) और स्विगी (Swiggy) ने भी घोषणा कर दी। इन कंपनियों ने कहा है कि अब वह '10 मिनट में डिलीवरी' वाली सर्विस की ब्रांडिंग नहीं करेंगे। कल ही यानी मंगलवार को केंद्र सरकार के श्रम मंत्रालय ने क्विक कॉमर्स (quick commerce) कंपनियों से डिलीवरी के समय को लेकर चिंताएं दूर करने को कहा था। इस बारे में स्विगी (Swiggy) और जेप्टो (Zepto) जैसी कंपनियों के साथ एक बैठक भी हुई थी। इससे पहले मतलब कि पिछले हफ्ते, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बड़ी डिलीवरी एग्रीगेटर (aggregator) कंपनियों के साथ एक बंद कमरे में हुई मीटिंग में उन्हें 10 मिनट की डिलीवरी की समय-सीमा हटाने के लिए राजी किया था। क्विक कॉमर्स कंपनियों ने कहा है कि अब वे इस बात का प्रचार नहीं करेंगे कि वे 10 मिनट में सामान पहुंचाते हैं। इससे पहले हमारे सहयोगी ईटी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि श्रम मंत्रालय ने क्विक कॉमर्स (quick commerce) कंपनियों से डिलीवरी के समय को लेकर चिंताएं दूर करने को कहा था। इस सिलसिले में स्विगी जेप्टो जैसी कंपनियों के साथ एक मीटिंग हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, मनसुख मांडविया ने कंपनियों से कहा था कि वे अपनी ब्रांडिंग और विज्ञापन से

10 मिनट की डिलीवरी का वादा हटा दें। उन्होंने कहा था कि ऐसे वादे डिलीवरी वर्कर्स पर बेवजह दबाव डालते हैं और उनकी सुरक्षा से समझौता करते हैं।बीते महीने क्रिसमस यानी 25 दिसंबर के दिन और वर्षांत मतलब कि 31 दिसंबर को इन क्विक कॉमर्स कंपनियों के डिलीवरी पार्टनर्स ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था। इन गिग वर्कर्स (gig workers) यूनियनों ने इन दिनों 10 मिनट की डिलीवरी के विकल्प को खत्म करने की मांग की थी। क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट का पहले मुख्य नारा था '10,000+ प्रोडक्ट्स 10 मिनट में डिलीवर'। अब इसे बदलकर '30,000+ प्रोडक्ट्स आपके दरवाजे पर डिलीवर' कर दिया गया है। गिग वर्कर्स एसोसिएशन (Gig Workers Association) ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के 10 मिनट की डिलीवरी के वादे को बदलने के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की है कि सभी संबंधित पक्षों और सरकार के बीच बातचीत के लिए एक स्थायी संस्थागत व्यवस्था बनाई जाए। मंगलवार को जारी एक बयान में, एसोसिएशन ने कहा कि 10 मिनट की डिलीवरी मॉडल वर्कर्स को जल्दी-जल्दी वाहन भगाने, सड़क पर जोखिम उठाने और ऐप्स पर इंसेंटिव (incentives), रेटिंग (ratings) और ऑर्डर आवंटन (order allocation) के लगातार दबाव के कारण लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर करता है। एसोसिएशन ने कहा, "हालांकि, वर्कर्स को अक्सर एक साथ कई ऑर्डर डिलीवर करने के लिए उतना ही भुगतान मिलता है जितना एक सिंगल ऑर्डर के लिए मिलता है। ऐसे ही एक मामले में, एक वर्कर को दो ऑर्डर एक साथ डिलीवर करने के लिए केवल 19.30 रुपये का भुगतान किया गया था। इससे बिना किसी अतिरिक्त मुआवजे के जोखिम और काम का बोझ बढ़ जाता है।" X पर एक पोस्ट में, AAP नेता और सांसद राघव चड्ढा ने केंद्र सरकार को उनके हस्तक्षेप के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इस कदम से गिग वर्कर्स की सुरक्षा और गरिमा में सुधार होगा। उन्होंने कहा, "पिछले कुछ महीनों में, मैंने सैकड़ों डिलीवरी पार्टनर्स से बात की है। कई लोग अत्यधिक काम करते हैं, उन्हें कम भुगतान मिलता है और वे एक अवास्तविक वादे को पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।"

धरा रह गया ट्रंप का टैरिफ! चीन ने बनाया एक्सपोर्ट का रेकॉर्ड, ट्रेड सरप्लस पहली बार $1 ट्रिलियन के पार

एजेंसी नई दिल्ली

चीन का ट्रेड सरप्लस पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक बीते साल यानी 2025 में लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर रहा जो पिछले साल की तुलना में 20% अधिक है। इस दौरान टैरिफ के कारण अमेरिका को चीन का एक्सपोर्ट कम हुआ लेकिन दूसरे देशों को बढ़ गया। चीन का निर्यात में 2024 की तुलना में 5.5% बढ़कर 3.77 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। वहीं, आयात 2.58 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। साल 2024 में चीन का ट्रेड सरप्लस 992 अरब डॉलर था। दिसंबर 2025 में चीन के निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.6% की

बढ़ोतरी हुई। यह अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर था। आयात में भी 5.7% की वृद्धि देखी गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल चीन पर भारी टैरिफ लगाया था। इससे अमेरिका को निर्यात में भारी गिरावट आई। लेकिन चीन ने दक्षिण अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और यूरोप जैसे अन्य बाजारों को निर्यात बढ़ाकर इसकी भरपाई कर ली।

2025 में चीन का अमेरिका को निर्यात 20% गिर गया लेकिन अफ्रीका को निर्यात में 26% की वृद्धि हुई। इसी तरह दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को चीन का निर्यात 13%, यूरोपीय संघ को 8% और लैटिन अमेरिका को 7% बढ़ गया। कंप्यूटर चिप्स और अन्य उपकरणों की मजबूत वैश्विक मांग ने चीन के निर्यात को बढ़ावा दिया। इसके अलावा कार निर्यात में भी पिछले साल वृद्धि देखी गई। जानकारों का कहना है कि इस साल चीन के निर्यात में करीब 3 फीसदी बढ़ोतरी होगी।

भारत को `मिर्च' लगा रहा चीन, मसाला एक्सपोर्ट की रीढ़ पर कर रहा वार!

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय मसालों के दुनियाभर में तूती बोलती है। लेकिन अब उसकी बादशाहत को खतरा पैदा हो गया है। चीन दुनिया के मसाला बाजार से भारत को आउट करने की फिराक में है। चीन ने जीरे और मिर्च जैसे मसालों की खेती और निर्यात शुरू दिया है, जिनमें सदियों से भारत का दबदबा रहा है। चीन इन मसालों को भारत से भी सस्ते दामों पर बेच रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक के तौर पर भारत को चुनौती मिल सकती है। चीन भारत से जीरा और मिर्च खरीदकर उन्हें अपने यहां प्रोसेस कर करके तीसरे देशों को बेच रहा है। इसके बावजूद उसके मसाले सस्ते पड़ रहे हैं। बिग हाट के वाइस प्रेसिडेंट संदीप वोडेपल्ली ने कहा कि पिछले दो साल से चीन जीरे और मिर्च की खेती कर रहा है और कुछ बाजारों में भारत की जगह ले रहा है। मिर्च को भारत के मसाला निर्यात की रीढ़ माना जाता है। वॉल्यूम और वेल्यू के लिहाज से भारत के कुल मसाला निर्यात का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा मिर्च का होता है। 2024-25 में भारत से मिर्च पाउडर का निर्यात पिछले साल के मुकाबले 35% बढ़कर 80.6 मिलियन किलो हो गया। वहीं, कुल मिर्च निर्यात 19% बढ़कर 700,000 टन से ज्यादा रहा। लेकिन इस दौरान निर्यात से होने वाली कमाई 11% कम हो गई। इससे साफ है कि कीमतों पर भारी दबाव है। 2023-24 में भी मिर्च का निर्यात 15% बढ़ा था। इस दौरान जीरा निर्यात में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 में जीरे का निर्यात पिछले साल के 165,269 टन से 39% बढ़कर 229,881 टन हो गया। कारोबारियों का कहना है कि चीन दो तरह की मिर्च पर खास ध्यान दे रहा है। इनमें पैपरिका और तेजा शामिल हैं। पैपरिका का इस्तेमाल रंग और हल्के फ्लेवर के लिए होता है। मिर्च की तेजा किस्म काफी तीखी होती है। इसका यूज दर्द निवारक मलहम जैसी दवाओं में होता है।

कहीं पोंगल, कहीं बिहू, जानें इंडिया में एक त्योहार के अनेक रंग और ट्रेडिशनल

मकर संक्रांति पर्व को उत्तरायण के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन सूर्य उत्तर की ओर बढ़ने लगता है जो ठंड के घटने का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सूर्य अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं जो मकर राशि के शासक थे। पिता और पुत्र आम तौर पर अच्छी तरह नहीं मिल पाते इसलिए भगवान सूर्य महीने के इस दिन को अपने पुत्र से मिलने का एक मौका बनाते हैं। जाड़े के मौसम के समापन और फसलों की कटाई की शुरुआत का प्रतीक समझे जाने वाले मकर संक्रांति पर्व को देश भर में धूमधाम से मनाया जाता है और इस अवसर पर लाखों लोग देश भर में पवित्र नदियों में स्नान कर पूजा अर्चना करते हैं। देश के विभिन्न भागों में तो लोग इस दिन कड़ाके की ठंड के बावजूद रात के अंधेरे में ही नदियों में स्नान शुरू कर देते हैं। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु इलाहाबाद के त्रिवेणी संगम, वाराणसी में गंगाघाट, हरियाणा में कुरुक्षेत्र, राजस्थान में पुष्कर और महाराष्ट्र के नासिक में गोदावरी नदी में स्नान करते हैं। मकर संक्रांति पर्व देश के विभिन्न भागों में अलग अलग नामों से भी मनाया जाता है। जहां उत्तर और मध्य भारत में इसे मकर संक्रांति कहते हैं वहीं आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में इस पर्व को सिर्फ संक्रांति कहते हैं तो तमिलनाडु में इस पर्व को पोंगल कहा जाता है। इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन खिचड़ी का दान देना विशेष रूप से फलदायी होता है। देश के विभिन्न मंदिरों को इस दिन विशेष रूप से सजाया जाता है और इसी दिन से शुभ कार्यों पर लगा प्रतिबंध भी खत्म हो जाता है। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनकर मंदिरों में जाते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। इस पर्व पर इलाहाबाद में लगने वाला माघ मेला और कोलकाता में गंगासागर के तट पर लगने वाला मेला काफी प्रसिद्ध है। अयोध्या में भी इस पर्व की खूब धूम रहती है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र सरयू में डुबकी लगाकर राम मंदिर में रामलला, हनुमानगढ़ी में हनुमानलला तथा कनक भवन में मां जानकी की पूजा अर्चना करते हैं। हरिद्वार में भी इस दौरान मेला लगता है जिसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गई है। इस पर्व की छटा देश के विभिन्न हिस्सों में अलग अलग रूप में देखने को मिलती है। जहां समूचे उत्तर प्रदेश में इस पर्व को खिचड़ी के नाम से जाना जाता है तथा इस दिन खिचड़ी सेवन एवं खिचड़ी दान का अत्यधिक महत्व होता है वहीं महाराष्ट्र में इस दिन सभी विवाहित महिलाएं अपनी पहली संक्रांति पर कपास, तेल, नमक आदि वस्तुएं अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। तमिलनाडु में इस त्योहार को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा करकट जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पशु धन की पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिए स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाकर खीर को प्रसाद के रूप में सभी ग्रहण करते हैं। असम में मकर संक्रांति को माघबिहू अथवा भोगालीबिहू के नाम से मनाया जाता है तो राजस्थान में इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपनी सास को वायना देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। मान्यता है कि महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भागीरथ के पीछेपीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं।

कर्मों का कानून अटल है, कोई भी इससे बच नहीं सकता, अवतारी पुरुष भी नियति को टाल नहीं सकते

ज्योतिष शास्त्र में ग्रह नक्षत्रों के माध्यम से पूर्वजन्मों के कर्मों का आकलन किया जाता है। जिस प्राणी ने जैसे कर्म पूर्व के जन्मों में किए हैं, उसी के अनुसार वर्तमान जन्म में उस प्राणी को सुख-दुःख के रूप में कर्मफल परिणाम प्राप्त होता है। ज्योतिषी व्यक्ति के इन्हीं कर्मफल की गाथा को ग्रह नक्षत्रों की भाषा में पढ़ता और समझता है। कभी कभी जीवन में जो घटनाएं घटती हैं, वे पिछले जन्मों का शाप और कर्मफल का परिणाम होती हैं, भले ही हम इसे मानें अथवा न मानें। पूर्वजन्म में श्री कृष्ण भगवान राम थे, बाली का भी पुनर्जन्म हुआ, जिसने कृष्ण को मारा। भगवान राम ने बाली को छुपकर मारा था, इसलिए बाली ने अपने अगले जन्म में कृष्ण के रूप में वही बदला चुकाया, जैसा कि धर्मग्रंथों में बताया गया है, जो कर्म के सिद्धांत को दर्शाता है। मरते समय बाली ने श्रीरामचंद्र जी से कहा, 'मैं बेकसूर था, मैंने आपका कुछ नहीं बिगाड़ा था। अब इसका हिसाब आपको अगले जन्म में देना पड़ेगा।' गतिमान कालचक्र घूमता रहा। अगले जन्म में श्रीराम ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया और बाली भी पुनः जन्मा। महाभारत युद्ध के पश्चात एक दिन श्रीकृष्ण वन में विश्राम कर रहे थे। दूर से पूर्वजन्म के बाली रूपी शिकारी ने उनके चरणों को हिरण की आँख समझ लिया और भ्रमवश तीर चला दिया। तीर लगते ही वह पास आया और जब उसे अपनी भूल का ज्ञान हुआ, तो भय और पश्चाताप से भरकर वह श्रीकृष्ण के चरणों में गिर पड़ा। तब श्रीकृष्ण ने उसे पूर्वजन्म की कथा सुनाई और समझाया कि इसमें उसका कोई दोष नहीं था। यह तो कर्मों के ऋण की पूर्णता थी। जो बोया जाता है, वही काटना पड़ता है। कर्म का विधान अटल है, उससे कोई नहीं बच सकता। यहाँ तक कि स्वयं प्रभु के अवतार भी नहीं। इस प्रकार कर्मों का चक्र कर्मफल देकर ही पूरा होता है।

मकर संक्रांति के बाद यह प्रतिकूल योग, भारत से ईरान तक इस बात की आशंका

सूर्य के राशि परिवर्तन के समय बनने वाली कुंडली को सूर्य संक्रांति कुंडली कहते हैं जिससे सूर्य के एक राशि में यानी 30 दिन रहने की समय अवधि के दौरान होने वाली घटनाओं का मेदिनी ज्योतिष के नियमों के अनुसार फल कथन किया जाता है। सूर्य जब चर संज्ञक राशियों मेष, कर्क, तुला या मकर में आते हैं तो इस समय की संक्रांति कुंडली का मौसम और फसलों के बारे में भविष्य कथन का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष सूर्य मकर राशि में भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बज कर 8 मिनट पर 14 जनवरी 2026 को बुधवार के दिन प्रवेश कर चुके हैं। सूर्य संक्रांति के समय सूर्य शुभ ग्रह शुक्र से मकर राशि में युति कर रहे होंगे किन्तु अगली राशि में पाप ग्रह राहु और पिछली राशि में पाप ग्रह मंगल के होने से एक अशुभ पाप कर्तरी योग भी बन रहा है जिसके चलते कुछ राज्यों में अगले 30 दिनों में ओलावृष्टि या असामान्य वर्षा से फसलों को हानि हो सकती है। सूर्य की मकर संक्रांति कुंडली में वृषभ लग्न उदय हुआ है। लग्नेश शुक्र सर्वोच्च न्यायालय के स्थान यानी नवम भाव में राजसत्ता के कारक ग्रह सूर्य के साथ होकर अगले 30 दिनों में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कुछ बड़े निर्णयों के आने का ज्योतिषीय संकेत दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में कुत्तों को सड़कों से हटाने संबंधी याचिकाएं सुनी जा रही हैं । चूँकि कुत्तों के कारक ग्रह केतु के राशिपति सूर्य नवम भाव में लग्नेश शुक्र से युत हैं इसलिए अगले 30 दिनों में इस मुद्दे पर बड़े दिशानिर्देश केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए जाएंगे। सूर्य संक्रांति कुंडली में सप्तम भाव में बैठे नीच राशि वृश्चिक के चन्द्रमा के कारण विवाह संबंधी या महिलाओं से संबंधित किसी बड़े केस में सुप्रीमकोर्ट का बड़ा निर्णय आ सकता है। सप्तमेश मंगल का दशमेश (राज सत्ता) और नवमेश शनि के साथ परस्पर दृष्टि संबंध और अष्टमेश गुरु से भी दृष्टि संबंध बन जाना किसी बड़े स्कैंडल का भी योग अगले 30 दिनों में निर्मित कर रहा है जो की सुर्ख़ियों में रहेंगे। 18 जनवरी को अमावस्या के दिन पांच ग्रहों सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, बुध और शुक्र का नजदीकी अंशों पर बड़ा महत्वपूर्ण योग मकर राशि में बन रहा है। जिससे उत्तर भारत में असामान्य वर्षा, पहाड़ों पर हिमपात और भूकंपन का योग बन रहा है। अमावस्या समाप्ति के समय सूर्य और चन्द्रमा के सामान अंशों पर युति भारतीय समयानुसार 19 जनवरी रात्रि 1 बजकर 21 मिनट पर होगी। यह अशुभ युति आजाद भारत की वृषभ लग्न की कुंडली के नवम भाव में होकर मिथुन राशि से प्रभावित पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश दोनों के लिए बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण घटना का ज्योतिषीय संकेत दे रहा है। ईरान की स्थापना कुंडली (1 अप्रैल 1979 दोपहर 3 बजे तेहरान) में कर्क लग्न से युद्ध के सप्तम भाव मकर में इन पांच ग्रहों की युति इस राष्ट के लिए किसी बड़ी हिंसक गतिविधि का संकेत दे रहा है। ईरान के वर्तमान सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के विरुद्ध जनआंदोलाओं में तेजी आने के साथ-साथ अमेरिका के द्वारा ईरान पर किसी बड़े सैन्य हमले का भी योग बन रहा है।

आर्थिक राशिफलः गुरुवार को बन रहा शुक्रादित्य राजयोग, पैसों के मामले में इन लोगों का चमकेगा भाग्य

मेष राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। क्योंकि आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है। इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। किन्तु आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात्रि में पत्नी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
वृष राशि के जातकों का आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।
मिथुन राशि वालों को पिता के आशीर्वाद से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें। सायंकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें। प्रिय एवं महान पुरुषों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी वांछित सिद्धि हो सकती है।
कर्क राशि का स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। सायंकाल से देर रात तक देव दर्शन का लाभ लें।
सिंह राशि वालों को राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन क्रिया मंद तथा नेत्र विकार संभव है। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा। खानपान का विशेष ध्यान नियंत्रण रखें।
कन्या राशि आपकी राशि का स्वामी बुध आज पंचम पराक्रम सहोदर संतान पराक्रम प्रमुख केन्द्र में संचार कर रहे हैं। फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वंद्वियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।
तुला राशि के लिए शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है। आय के नये स्रोत बनेंगे। वाक् पटुता आपको विशेष सम्मान दिलायेगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद रहेगी।
वृश्चिक राशि आज वृश्चिक राशि वालों का आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सायंकाल प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।
धनु राशि के जातकों को आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रूपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में राज्य कार्य कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें अन्ततः आपकी विजय हो जाएगी। आपके विरूद्ध षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।
मकर राशि के लोगों को आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।
कुंभ राशि आपकी राशि स्वामी शनि की मार्गी स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैद्यानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा-पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।
मीन राशि वालों का वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। सायंकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलेक्स होगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी।

सपने में कीड़े देखना शुभ है या अशुभ

स्वप्न शास्त्र के हिसाब से हर सपना भविष्य की शुभ और अशुभ घटनाओं के बारे में कुछ न कुछ संकेत देता है। हालांकि हर एक सपने के अलग-अलग मायने होते हैं। लेकिन अगर आपको भी बार-बार कनखजूरे या कॉकरोच जैसे कीड़े-मकोड़े दिखाई दे रहे हैं। तो यह शुभ और अशुभ दोनों तरह के संकेत दे सकते हैं। वहीं सपने में कीड़े-मकोड़े देखने का एक खास मतलब बताया गया है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सपने में कीड़े-मकोड़े देखने का क्या मतलब होता है।
कनखजूरे का सपना
अगर आपको बार-बार सपने में कनखजूरा दिखाई दे रहा है। तो यह सपना शुभ और अशुभ दोनों तरह का संकेत देता है। अगर आप सपने में खुद को कनखजूरे को मारते देखते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।
अगर आप सपने में कान में कनखजूरे घुसते दिखता है, तो इसका मतलब है कि आपका किसी से विवाद

हो सकता है। इस स्थिति में भी आपको सतर्क रहने की जरूरत है।
कॉकरोच देखना वहीं सपने में कॉकरोच देखना भी शुभ नहीं माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक इस सपने का मतलब है कि आपको आने वाले समय में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इन समस्याओं में धोखा और आर्थिक तंगी शामिल है। अगर आपको बार-बार कॉकरोच का सपना आ रहा है, तो आपको सतर्क रहना चाहिए। साथ ही किसी विवाद और बुरी संगति से दूर रहें।
सफेद रंग का कीड़ा देखना अगर आपने सपने में सफेद रंग का कीड़ा देखा है, तो यह शुभ सपना नहीं है। इस सपने का मतलब है कि आपको किसी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। वहीं स्वप्न शास्त्र के मुताबिक इस सपने को देखने पर आप किसी बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। अगर आपको सपने में सफेद कीड़ा दिखाई देता है, तो आपको सतर्क और सावधान होने की जरूरत है।

आदर्श इलेवन जंबाडा व आयुष साकेत इलेवन घोड़ाडोंगरी को हराकर आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर पहुंची सुपर 8 में

सुपर आठ मे पहुंचने वाली माइनिंग इलेवन पाथाखेड़ा, ड्रीम इलेवन सारनी, शिवा इलेवन पाथाखेड़ा,आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापूर चौथी टीम बनी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

स्व. विजय कुमार खंडेलवाल की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आज चौंथे दिन में तीन मैच खेले गए जिसमें क्लासिक गोल्ड इलेवन पाथाखेड़ा व आयुष साकेत इलेवन घोड़ाडोंगरी के बीच खेला गया जिसमें क्लासिक गोल्ड इलेवन पाथाखेड़ा ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 वे ओवर की अंतिम गेंद पर ऑलआउड होकर महज 70 रन ही बनाए 71 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयुष साकेत इलेवन घोड़ाडोंगरी ने 5 ओवर की तीसरी गेंद पर 2 विकेट खोकर 71 बना लिए और यह मैच आठ विकेट से जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच रोशन रहे जिन्होंने दो ओवर में तीन विकेट हासिल कर मैन ऑफ द मैच बने।

बुधवार के दिन का दूसरा मैच आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर व आदर्श इलेवन जंबाडा के बीच खेला गया जिसमें आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया बल्लेबाजी करने उतरी आदर्श इलेवन जंबाडा ने 10 ओवर में 5 विकेट खोकर 98 रन बनाए 99 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर ने 9 वे ओवर मे 5 विकेट खोकर 100 रन बनाकर यह मैच 5 विकेट से जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच हेमंत जिन्होंने 19 गेंद पर 39 रन की पारी खेली और मैन ऑफ द मैच बने। बुधवार के दिन का तीसरा मैच आयुष इलेवन घोड़ाडोंगरी व आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर के बीच सुपर 8 के लिए खेला गया खेला गया।आयुष इलेवन घोड़ाडोंगरी ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया पहले बल्लेबाजी करने उतरी आशियाना क्रिकेट क्लब शोभापुर ने 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन बनाई ! 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयुष इलेवन घोड़ाडोंगरी ने 10 ओवर खेलते हुए 8 विकेट खोकर 102 रन ही बना पाई और यह मैच 15 रनों से हार गई इस मैच के मैन ऑफ द मैच विजय जिन्होंने 17 गेंदो पर 28 रन एवं दो विकेट हासिल कर मैन ऑफ द मैच बने विजेता टीम और बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अतिथियों के माध्यम से पुरस्कृत करने का कार्य किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

51 वर्षों से मेले में बाबा मठारदेव भंडारा समिति कर रही भंडारा

बाबा मठारदेव महाराज मेले में 60 से 70 हजार श्रद्धालुओं ने टीका माथा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

श्री श्री 1008 बाबा मठारदेव महाराज मेले में मकर संक्रांति के दिन सुबह 4 बजे से लेकर देर शाम तक 60 से 70 हजार श्रद्धालुओं ने तलहटी एवं शिखर मंदिर में माथा टेकर बाबा भोले का आशीर्वाद लेने का काम किया है। बताया जाता है कि मकर संक्रांति का दिन होने की वजह से सुबह से देर शाम तक तलहटी एवं शिखर मंदिर पर श्रद्धालुओं के आवा गमन का सिलसिला बना रहा सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन और स्थानी सुरक्षा प्रहरीओ का सहयोग सराहनी देखने को मिला है। तलहटी मंदिर से लेकर शिखर मंदिर तक घुटनों के बल एवं लेटकर बाबा भोले के दर्शन पर प्रतिबंध होने की वजह से इस बार घुटने के बाल कोई भी श्रद्धालु शिखर मंदिर पर नहीं पहुंच पाया है।

सीसी कैमरे से मेले की जा रही है निगरानी : श्रीं श्रीं 1008 बाबा मठारदेव महाराज मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए 75 से अधिक सीसी कैमरे भी लगाए गए थे। इस बार बाबा मठारदेव मेले में जो कैमरे लगाए गए थे वह पूरे कमरे व्यवस्थित रूप से कार्य कर रहे थे। हालांकि नगर पालिका प्रशासनिक महकमें के माध्यम से 12 जनवरी से मेले का शुभारंभ विधि-विधान के साथ किया जा चुका है। मकर संक्रांति का दिन होने के कारण मेले में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली है जानकारों का कहना है कि इससे ज्यादा भीड़ आने वाले रविवार को होगी। नगर पालिका परिषद सारनी के माध्यम से इस बार मेले में कई बेहतर कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया है जिसकी वजह से शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालु भी मेले में अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम के अलावा बाबा मठारदेव महाराज के दर्शन करने का काम करेंगे।

कवि सम्मेलन प्रेमियों में मायूसी का माहौल : नगर पालिका परिषद सारनी के माध्यम से 10 दिवसीय बाबा मठारदेव महाराज मेले में विभिन्न संस्कृति कार्यक्रम के अलावा आर्केस्ट्रा का आयोजन लगभग 15 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है।लेकिन इस बार नगर पालिका परिषद सारनी के द्वारा कवि सम्मेलन न किए जाने के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के वह लोग जो कवि सम्मेलन के लिए बाबा मठारदेव मेले का इंतजार करने के अलावा कवि सम्मेलन का लाभ उठाने मेले प्रांगण में पहुंचते हैं। उन लोगों में मेला प्रांगण में कवि सम्मेलन ना होने के कारण मायूसी का माहौल बना हुआ है।आश्चर्य की बात तो यह है कि कोई भी जनप्रतिनिधि एवं नगर पालिका परिषद सारनी का पार्षद नगर पालिका प्रबंधन से यह पूछने को तैयार नहीं है कि इस बार बाबा मठारदेव मेले में कवि सम्मेलन का आयोजन क्यों नहीं रखा गया है और आर्केस्ट्रा के दो कार्यक्रम रखे गए हैं।नपा के कर्मचारी अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक दूसरे को खुश करने में जुटे हुए हैं जिसकी चर्चा क्षेत्र में जोरों पर चल रही है।

मेला प्रांगण में आज दोपहर 2 बजे से होगा आदिवासी लोकनृत्य,आकर्षक लाइटिंग और सराउंड साउंड सिस्टम से लैस होगा मंच

सन्नी अलबेला वैशाली रैकवार का देवी जागरण 16 जनवरी को इंडियन आईडियल फेम मयूरी साहा 18 तो रागिनी शिंदे 20 जनवरी को देगी प्रस्तुति

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

श्रीश्री 1008 बाबा मठारदेव के मेले में आनंद उत्सव के तहत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति गुरुवार 15 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगी। आगामी 21 जनवरी तक लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर जारी रहेगा। इस दौरान इंडियन आईडियल फेम की कलाकार मयूरी साहा और रागिनी शिंदे के गीतों की रंगारंग प्रस्तुतियां भी होंगी।नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा 12 से 22 जनवरी तक बाबा मठारदेव महाराज मेले का आयोजन किया जाता है। इसके तहत मेले में आनंद उत्सव 2026 के तहत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं मेला अधिकारी सी.के. मेश्राम ने बताया कि कार्यक्रमों की शृंखला में गुरुवार 15 जनवरी को दोपहर 2 बजे से ममता उईके एवं साथी कलाकारों द्वारा आदिवासी लोक संगीत की प्रस्तुति होगी। इसके बाद 16 जनवरी को शाम 7 बजे से सारेगमपा फेम के कलाकार महाकाल सरकार फेम मुंबई की वैशाली रैकवार एवं उज्जैन के सन्नी अलबेला के देवी जागरण का आयोजन होगा। 18 जनवरी को इंडियन आईडियल फेम कलाकार मयूरी साहा का लाइव शो शाम 7 बजे से आयोजित होगा। देवी जागरण का कार्यक्रम 18 जनवरी को दोपहर 2 बजे से मेला प्रांगण में होगा। इंडियन आईडियल फेम रागिनी शिंदे की हिंदी गीतों की सरगम कार्यक्रम का आयोजन 20 जनवरी को शाम 7 बजे से मेला प्रांगण में होगा। स्थानीय कलाकारों द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति

21 जनवरी को दोपहर 2 बजे से दी जाएगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रमों का लुत्फ उठाने का आग्रह किया है।

रंगारंग आधुनिक लाइटिंग और सराउंड साउंड से लैस होगा मंच : नगर पालिका सारनी द्वारा इस वर्ष आकर्षक ट्रैस लाइटिंग, सराउंड साउंड सिस्टम की व्यवस्था की है। कार्यक्रमों में प्रस्तुति के बीच आकर्षक रंगारंग आतिशबाजी की होगी। नए ऑडिटोरियम स्टाइल मंच के समक्ष दर्शकों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था भी की गई है।

सारनी क्षेत्र की परियोजनाओं पर जताई संतुष्टि

नगरीय प्रशासन विभाग के उपसंचालक ने किया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं टंकियों का निरीक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगरीय प्रशासन एवं विकास मप्र भोपाल के उप संचालक ओपी झा ने बुधवार को सारनी नगर पालिका क्षेत्र में पानी सप्लाई करने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट,पेयजल टंकियों का निरीक्षण किया। नगरीय विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत नगरीय निकायों में संचालित केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित पेयजल एवं सीवरेज की योजनाए तथा निकाय की पेयजल व्यवस्था एवं अन्य सम-सामयिक विषयों एवं योजनाओं की समीक्षा,प्रत्यक्ष अवलोकन एवं निरीक्षण के लिए दलों का गठन किया गया था। बैतूल जिले के निरीक्षण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास मप्र भोपाल के उप संचालक ओपी झा यहां पहुंचे।

उन्होंने जलावर्धन योजना के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट,पेयजल टंकियों एवं अन्य संरचनाओं का निरीक्षण किया।उपसंचालक के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीके मेश्राम,उपयंत्री कमलेश पटेल, बैतूल नगर पालिका के उपयंत्री नागेंद्र वागद्रे,धीरेन्द्र राठौर,जलावर्धन योजना का संचालन करने वाली अनुबंधित कंपनी लक्ष्मी सिविल इंजीनियरिंग प्रा लि के रमेश बड़वाइक उपस्थित थे। उपसंचालक ने निरीक्षण के दौरान सारनी डब्ल्यूटीपी की बेहतर कार्यशैली की सराहना की, उन्होंने कहा कि सारनी निकाय क्षेत्र में बेहतर पेयजल संरचना है। और इसका संचालन भी बेहतर तरीके से किया जा रहा हैं । सभी टंकियां और वाल्व भी साफ सुथरे मिले।इसकी भी उन्होंने सराहना करने का कार्य किया।अधिकारियों को उन्होंने सभी संरचनाओं की सतत निगरानी रखने के आदेश दिए हैं ताकि अप्रिया घटना से आसानी से निपटा जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949